दैनिक साधना एक्सप्रेस

वर्ष-4 | अंक -37 | sadhnaexpress@gmail.com | भोपाल, गुरूवार, 29 जनवरी 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये | www.sadhnaexpress.com

न्यूज ब्रीफ

यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका, चीफ जस्टिस सूर्यकांत की बेंच आज करेगी सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी | विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के नए नियमों के खिलाफ सामान्य वर्ग के युवाओं में नाराजगी है. इन्हें वापस करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है, जिस पर शीर्ष अदालत सुनवाई के लिए तैयार हो गया है. चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की बेंच इस याचिका पर कल गुरुवार (29 जनवरी, 2026) को सुनवाई करेगी.

याचिका में कहा गया है कि नए नियम जातिगत भेदभाव दूर करने के नाम पर सामान्य वर्ग के छात्रों से भेदभाव करने वाले हैं. इनमें अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अति पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के साथ जातिगत भेदभाव की शिकायत की व्यवस्था की गई है, लेकिन सामान्य वर्ग के छात्रों को छोड़ दिया गया है. झूठी शिकायत करने वाले पर किसी तरह की कार्रवाई की भी व्यवस्था इन नियमों में नहीं है.

UGC ने 15 जनवरी, 2026 से देशभर के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन रेगुलेशंस, 2026 नियम को लागू कर दिया है. इस नियम को मुख्य उद्देश्य देश भर के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में होने वाले जातिगत भेदभाव को रोकना और सभी छात्रों और कर्मचारियों को एक समान मौका देना बताया गया है. इस नियम की सबसे अहम विशेषता यह है कि अब अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) के साथ-साथ अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) को भी जातिगत भेदभाव की परिभाषा में शामिल किया गया है.

फर्जी निवेश ऐप माई विक्ट्री क्लब के जरिए करोड़ों की ठगी, ईडी ने कंपनी डायरेक्टर को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी | प्रवर्तन निदेशालय (ED) की जयपुर जोनल टीम ने मंगलवार (27 जनवरी, 2026) को मनी लॉन्ड्रिंग के एक बड़े मामले में M/s Digi Mudra Connect Private Limited के डायरेक्टर प्रकाश चंद जैन को PMLA के तहत गिरफ्तार किया है. गिरफ्तारी के बाद प्रकाश चंद जैन को जयपुर की PMLA स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने ED को आगे की पूछताछ के लिए 4 दिन की रिमांड दी है. ED ने ये जांच STF मध्य प्रदेश के भोपाल, राजस्थान, हरियाणा, ओडिशा और महाराष्ट्र के अलग-अलग जिलों में दर्ज FIR के आधार पर शुरू की थी. इन मामलों में प्रकाश चंद जैन, रवि जैन और अन्य लोगों के नाम सामने आए थे.

जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने मिलकर हजारों लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी की. लोगों को उनके मोबाइल ऐप और प्लेटफॉर्म माई विक्ट्री क्लब के जरिए निवेश के लिए लुभाया गया और बेहद ज्यादा मुनाफे का झांसा दिया गया. ED की जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपियों ने सैकड़ों करोड़ रुपये निवेशकों से इकट्ठा किए. इस रकम का बड़ा हिस्सा कंपनी के काम में लगाने के बजाय डायरेक्टर्स, उनके परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों और एजेंट्स के निजी खातों में ट्रांसफर कर दिया गया. ईडी के मुताबिक, ठगी से कमाए गए इस पैसे यानी Proceeds of Crime का इस्तेमाल आरोपियों ने अपने और परिवार के नाम पर जमीन, मकान और अन्य प्रॉपर्टी खरीदने में किया. इस मामले में ED पहले ही 31 दिसंबर, 2025 को आरोपियों से जुड़े 7 ठिकानों पर छापेमारी कर चुकी है. इन छापों के दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल सबूत बरामद हुए. इसके साथ, 11.3 लाख रुपये नकद जब्त किए गए, करोड़ों रुपये की अचल संपत्तियों का भी पता चला.

अजित पवार का प्लेन क्रैश हादसा या साजिश?

भतीजे के निधन के बाद शरद पवार की पहली प्रतिक्रिया • आज होगा अजित पवार का अंतिम संस्कार • 3 दिन का राजकीय शोक

अजित पवार के निधन पर शरद पवार ने कहा कि ये पूरी तरह से हादसा है. इसके पीछे कोई साजिश नहीं है.

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | अपने भतीजे अजित पवार के निधन पर शरद पवार की पहली प्रतिक्रिया आई है. उन्होंने बड़ा बयान देते हुए कहा कि ये पूरी तरह से हादसा है. इसमें कोई साजिश नहीं है. शरद पवार ने अपील की कि इस हादसे पर राजनीति न हो. उन्होंने कहा कि अजित की मौत से महाराष्ट्र को बहुत बड़ा नुकसान हुआ है, जिसकी कोई भरपाई नहीं है.

इसमें राजनीति न लाएं, यही मेरी विनती- शरद पवार

शरद पवार ने कहा कि जो दुर्घटना हुई है वो बहुत ही दुखद है. एक मेहनती शख्स के जाने से महाराष्ट्र को नुकसान हुआ है. जो नुकसान हुआ है वो भरकर आने वाला नहीं है. उन्होंने कहा, 'आज सभी चीजें अपने हाथ में नहीं हैं. मैं आज विनायकराव से मिला. कुछ दुष्ट शक्तियां इस अपघात (दुर्घटना) के पीछे कुछ राजनीति तो नहीं है, इस प्रकार की भूमिका जानबूझकर समाज में फैला रही हैं. इसमें राजनीति नहीं है. यह केवल एक दुर्घटना है. इसकी पीड़ा महाराष्ट्र को और हम सभी को बहुत है. कृपया करके इसमें राजनीति न लाएं, यही मेरी विनती है.' गौरतलब है कि विपक्ष के कई नेताओं ने प्लेन क्रैश की जांच की मांग की है.

आज होगा अंतिम संस्कार

अभी अजित पवार के पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए बारामती के विद्या प्रतिष्ठान में रखा गया है. गुरुवार (29 जनवरी) को पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी. केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अंतिम संस्कार में शामिल होंगे. विपक्ष के कई नेता भी अजित पवार को अंतिम विदाई देने पहुंच रहे हैं.

घड़ी से अजित पवार के शव की हुई पहचान

बता दें कि मुंबई से बारामती जाने के दौरान अजित पवार का चार्टर्ड प्लेन क्रैश हो गया. इसमें कुल पांच लोग शामिल थे. पांचों की मौत हो गई. हादसे में पांचों के शव पूरी तरह क्षत-विक्षत हो गए जिससे पहचानना तक मुश्किल हो गया था. डिप्टी सीएम अजित पवार के शव को उनकी घड़ी से पहचाना गया.

शासकीय विद्यालयों का परीक्षा परिणाम हुआ बेहतर, बढ़ रहा है नामांकन : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

• भोपाल संवाददाता

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि युग बदले, सदियां बदलीं पर शिक्षकों का सम्मान कभी कम नहीं हुआ। शिक्षक उस दीपक के समान होते हैं, जो खुद जलकर दूसरों के जीवन को आलोकित करते हैं। शिक्षकगण सदैव सम्मानित थे, हैं और आगे भी रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश के शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि इनके सद्प्रयासों से ही प्रदेश के शासकीय स्कूलों का परीक्षा परिणाम ऐतिहासिक रूप से बेहतर से और बेहतर हुए हैं।

बच्चों के प्रवेश, शाला नामांकन दर में भी रिकार्ड वृद्धि हुई है। साथ ही प्रदेश में बच्चों की ड्राप-आउट दर भी शून्य हो गई है। इसमें शिक्षकों का योगदान अतुलनीय है, वंदनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय के प्रांगण में मध्यप्रदेश शिक्षक संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश स्तरीय शैक्षिक गुणवत्ता शिक्षक सम्मेलन में कहा कि हमारे सांदीपनि विद्यालय और पीएमश्री विद्यालय शिक्षा की गुणवत्ता के नए-नए मानक स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सांदीपनि विद्यालयों की सफलता से हम सब अभिभूत हैं। इसलिए प्रदेश में इसी सत्र से 200 नए सांदीपनि विद्यालय खोले जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नई शिक्षा नीति-2020 को लागू करने में मध्यप्रदेश देश के पहले राज्यों में हैं। हम अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए ए.आई., कोडिंग और कौशल आधारित शिक्षा की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इसमें शिक्षकों का बहुमूल्य योगदान है।

खेल में जीतने के साथ सीखें भी : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

• भोपाल संवाददाता

भोपाल | उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि खिलाड़ी को खेल में जीतने के साथ सीखना भी चाहिए। हार-जीत से परे रहकर अपनी टीम के लिये अपना सर्वोत्तम देना ही खिलाड़ी का दायित्व है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने स्पोर्टस कॉम्पलेक्स रीवा में खेलो एमपी यूथ गेम्स में फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि खेल भावना से खेलना चाहिए। हार-जीत से कोई फर्क नहीं पड़ता। जीतने पर घमण्ड न हो तथा हारने पर निराशा न हो। समभाव से अपना योगदान देकर सीखने की ललक के साथ प्रतियोगिता में

भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी को अच्छे मैदान व खेल के आयोजन आवश्यक हैं। रीवा में खेल के मैदानों की कमी नहीं है और खेल प्रतियोगिताएँ भी आयोजित हो रही हैं जिनके माध्यम से खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर यह आयोजन हो रहा है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि स्पोर्टस कॉम्पलेक्स में अप्रैल माह तक साढ़े दस करोड़ रूपये लागत के सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण हो जायेगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया।

रीवा के स्पोर्टस कॉम्पलेक्स, टीआरएस मैदान और सैनिक स्कूल ग्राउण्ड में प्रदेश के संभाग के खिलाड़ी फुटबॉल मैच खेल रहे हैं। रीवा से भी 400 से अधिक खिलाड़ी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने राज्य स्तर पर गये हैं। इस अवसर पर विधायक मनगवां इंजी. नरेन्द्र प्रजापति, पुलिस अधीक्षक श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान, संभागीय खेल अधिकारी श्री एम.के. धोलपुरी सहित खेल प्रेमी तथा संभागों के खिलाड़ी व कोच उपस्थित रहे।

इंस्टाग्राम के प्रेमी से शादी के लिए मां-बाप नहीं थे राजी, नर्स बेटी ने इंजेक्शन से उतारा मौत के घाट

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | तेलंगाना के विकाराबाद जिले से एक ऐसी सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जो पारिवारिक रिश्तों को झकझोर कर रख देती है. जहां एक युवती ने अपने माता-पिता की बेरहमी से हत्या कर दी और वो भी सिर्फ इसलिए क्योंकि वे उसके इंस्टाग्राम वाले प्रेमी के साथ अंतर्जातीय विवाह के लिए तैयार नहीं थे. आरोपी युवती खुद एक नर्स है और उसने अपनी पेशेवर जानकारी का इस्तेमाल करके अपने ही मां-बाप को मौत के घाट उतार दिया.

मामला विकाराबाद जिले के बंटवारम मंडल के याचारम गांव का है, जहां की निवासी और एक नर्सिंग होम में नर्स के रूप में काम करने वाली नाका सुरेखा का इंस्टाग्राम पर एक युवक के साथ दो साल से प्रेम संबंध था. जब सुरेखा ने उस युवक से शादी करने की इच्छा जताई, तो उसके माता-पिता ने इसे अपनी जाति से बाहर का विवाह बताते हुए कड़ा विरोध किया. मना करने के बाद भी जब माता-पिता नहीं मानें, तो सुरेखा ने अपने माता-पिता को रास्ते से हटाने का दिल दहला देने वाला फैसला लिया.

पुलिस के अनुसार, सुरेखा ने अपने कार्यस्थल (नर्सिंग होम) से एनेस्थीसिया (एक प्रकार की बेहोशी की दवा) की शीशियां चुराईं. उसने घर पर अपने माता-पिता को शरीर में दर्द की शिकायत होने पर यह नुस्खा दिया कि यह इंजेक्शन उनके दर्द को कम कर देगा.

दक्षिण पूर्व एशिया में इंडियन नेवी कर रही बड़ा विस्तार, अहम रहा थाईलैंड और इंडोनेशिया का दौरा

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | हिंद महासागर और दक्षिण पूर्व एशिया के सामरिक परिदृश्य में भारत की नौसैनिक उपस्थिति अब दिशा और दृष्टि तय करने वाली शक्ति के रूप में उभर रही है। इसी क्रम में भारतीय नौसेना का पहला प्रशिक्षण स्क्वाड्रन अपने व्यापक प्रशिक्षण अभियान के अंतर्गत जनवरी 2026 के अंतिम सप्ताह में थाईलैंड और इंडोनेशिया पहुंचा। यह यात्रा समुद्री कूटनीति, सामरिक संतुलन और क्षेत्रीय स्थिरता की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है।

हम आपको बता दें कि 25 जनवरी 2026 को भारतीय नौसेना का पहला प्रशिक्षण स्क्वाड्रन थाईलैंड के फुकेट डीप शी पोर्ट पर पहुंचा। INS Tir, INS Shardul, INS Sujata और तटरक्षक पोत ICGS Sarathi का भव्य स्वागत Royal Thai Navy ने पारंपरिक सैन्य सम्मान और संगीत के साथ किया। देखा जाये तो यह आगमन ऐसे समय हुआ जब वर्ष 2026 को आसियान भारत समुद्री सहयोग वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इस कारण यह यात्रा प्रतीकात्मक से कहीं आगे जाकर रणनीतिक महत्व की है।

इस बंदरगाह यात्रा के दौरान दोनों नौसेनाओं के बीच वरिष्ठ स्तर की वार्ताएं, पेशेवर आदान प्रदान, संयुक्त योग अभ्यास, मैत्रीपूर्ण खेल प्रतियोगिताएं और समुद्र में पासेक्स अभ्यास आयोजित किए गए।

थाईलैंड की रानी सीन वोंगवजिरापकडी ने मऊ में ठेले से खाए समोसे-जलेबी, भगवान बुद्ध प्रतिमा पर करेंगी प्रार्थना

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | भारत और नेपाल की दो दिवसीय धार्मिक यात्रा पर निकलीं थाईलैंड की रानी सीन वोंगवजिरापकडी को देखने के लिए में मऊ जिल में भीड़ उमड़ पड़ी। दरअसल वाराणसी से लुंबिनी की तरफ जाते समय रानी का शाही काफिला अचानक से मऊ के घोसी बाजार में रुका। इसकी सूचना मिलते ही उनको देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ सड़कों पर उमड़ पड़ी।

हालांकि इस मौके पर सुरक्षा एजेंसियों के साथ मऊ की घोसी पुलिस भी काफी मुस्तैद दिखी। घोसी में रुककर रानी ने न सिर्फ खरीदारी की, बल्कि घोसी के बाजार में पैदल ही भ्रमण कर यहां के ठेलों पर लगे समोसे और जलेबियों का भी जमकर लुत्फ उठाया।

जानकारी के अनुसार साल 1985 में जन्मी सीन

वोंगवजिरापकडी थाईलैंड के राजा महा वजिरालोंगकोर्न की शाही पत्नी हैं। रानी को चाओ खुन फ्रा की उपाधि दी गई है। इसका अर्थ रॉयल नोबल कंसोर्ट होता है। रानी बनने से पहले सिनीनात सेना में नर्स के पद पर कार्यरत थीं। बाद में इन्हें थाई सेना में मेजर जनरल के पद तक देश की सेवा की।

सेना में नौकरी के साथ ही ये एक उच्च प्रशिक्षित पायलट भी रही हैं। साल 2019 रानी के लिए काफी खास और अफसोसजनक भी रहा। इसका प्रमुख कारण यह है कि साल 2019 के जुलाई में इन्हें पहली बार यह उपाधि मिली। फिर इसी साल अक्टूबर में इन पर महारानी सुथिडा के प्रति अनादर और राजा के प्रति बेवफाई का आरोप लगा। इनकी सारी उपाधियां छीन ली गईं। इसके बाद साल 2020 में राजा ने इन्हें माफ करते हुए इनके सैन्य रैंक के साथ इनकी शाही उपाधियां भी वापस लौटा दी।

रानी का यह शाही दौरा भारत के लिए इसलिए भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि रानी पहली बार कुशीनगर के थाई मोनास्ट्री में विश्राम करेंगी। फिर वहां स्थित भगवान बुद्ध की लेटी हुई प्रतिमा पर पवित्र चीवर चढ़ाकर वैश्विक शांति के साथ ही भारत और थाईलैंड के द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक मजबूत करने के लिए विशेष प्रार्थना करेंगी।

एनसीसी रैली में 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र, पीएम मोदी बोले- आज लड़ाई क्लाउड और कोड पर भी होती है

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली |प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के कारियाप्पा परेड ग्राउंड में आयोजित वार्षिक एनसीसी पीएम रैली में शामिल हुए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी उपस्थित थे। एनसीसी पीएम रैली के साथ ही माहभर चलने वाले एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर 2026 का समापन हुआ, जिसमें देशभर से 2,406 एनसीसी कैडेटों ने भाग लिया, जिनमें 898 महिला कैडेट भी शामिल थीं। मोदी ने इस दौरान कहा कि NCC एक ऐसा संगठन है, एक ऐसा आंदोलन है, जो भारत की युवा-शक्ति को आत्मविश्वासी बनाता है, अनुशासित बनाता है, संवेशनशील बनाता है और राष्ट्र के प्रति संमर्पित नागरिक बनाता है। इस बार भी यहां बहुत बड़ी संख्या में गर्ल्स कैडेट्स आई हैं। मैं उनका विशेष रुप से अभिनंदन करता हूं।

मोदी ने कहा कि बीते वर्षों में NCC कैडेट्स की संख्या 14 लाख से बढ़कर 20 लाख हो चुकी है। उन्होंने कहा कि NCC एक ऐसा संगठन है, एक ऐसा आंदोलन है, जो भारत की युवा-शक्ति को आत्मविश्वासी बनाता है, अनुशासित बनाता है, संवेशनशील बनाता है और राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक बनाता है। इस बार भी यहां बहुत बड़ी संख्या में गर्ल्स कैडेट्स आई हैं। मैं उनका विशेष रुप से अभिनंदन करता हूं। बीते वर्षों में NCC कैडेट्स की संख्या 14 लाख से बढ़कर 20 लाख हो चुकी है।

प्रधानमंत्री ने याद किया कि मैंने लाल किले से कहा था- यही समय है, सही समय है। हमारे देश के युवाओं के लिए आज का ये समय सबसे ज्यादा अवसरों का समय है। सरकार का प्रयास है कि इस कालखंड का अधिक से अधिक लाभ हमारे युवाओं को मिले। आज पूरी दुनिया युवा भारत के युवाओं की तरफ बहुत भरोसे से देख रही है और दुनिया के इस भरोसे का कारण है- स्किल और संस्कार। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ के साथ जिस समझौते पर सहमति बनी है... दुनिया उसकी, सभी सौदों की जननी के रूप में प्रशंसा कर रही है।

बजट सत्र की शुरुआत, जी राम जी बिल का नाम आते ही विपक्षी सांसद ने खड़े होकर किया जोरदार विरोध

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | बजट सत्र 2026-27 की शुरुआत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संयुक्त सत्र में अभिभाषण से हुई, जिसमें उन्होंने विकसित भारत, सामाजिक न्याय और 125 दिनों की ग्रामीण रोजगार गारंटी पर सरकार का दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। सदन की कार्यवाही विपक्षी विरोध के बीच स्थगित कर दी गई और अब गुरुवार को फिर से शुरू होगी।

बुधवार दोपहर दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित कर दी गई और आज (गुरुवार) सुबह 11 बजे फिर से शुरू होगी। राष्ट्रीय लोक तांत्रिक गठबंधन-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों ने सराहना व्यक्त करते हुए मेजें थपथपाईं, वहीं विपक्षी सांसद खड़े होकर विरोध प्रदर्शन करते हुए कानून को वापस लेने की मांग करने लगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बजट सत्र 2026-27 के पहले दिन संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए सामाजिक न्याय, समावेशी विकास और विकसित भारत के लिए केंद्र सरकार के दृष्टिकोण को रेखांकित किया।

समाजसेवा के लिए अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध मेला में सम्मानित हूई शिखा जोशी

10वां अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध मेला संपन्न, दुर्लभ बुद्ध अस्थि-धातु के हुए भव्य दर्शन

• साधना एक्सप्रेस, भोपाल

भोपाल।* दी बुद्धभूमि धम्मदूत संघ के तत्वावधान में 10वां अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध मेला एवं भगवान बुद्ध की परम पावन एवं दुर्लभ अस्थि-धातु कलश के भव्य दर्शन का आयोजन बुद्धभूमि महाविहार, गोल्डन बुद्ध प्रतिमा परिसर, भोपाल में श्रद्धा, शांति और गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर दीप प्रज्ज्वलन एवं बुद्ध वंदना से हुआ। इसके पश्चात तथागत बुद्ध की दुर्लभ अस्थि-धातु के दर्शन एवं धम्म पूजा कराई गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर थाइलैंड, श्रीलंका, जापान सहित देश-विदेश से पधारे वरिष्ठ भिक्षु संघ की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के धम्म उद्घाटक फ्रा डॉ. महा अचान विचियन (थाइलैंड) रहे। मुख्य अतिथि के रूप में भीमराव यशवंत अंबेडकर, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के पौत्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, किशन सूर्यवंशी अध्यक्ष नगर निगम भोपाल, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

आयोजन के दौरान समाजसेवी शिखा जोशी को समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए फ्रा डॉ. महा अचान विचियन (थाइलैंड) द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान समाज में उनके निरंतर सेवा कार्यों की सराहना का प्रतीक रहा।

कार्यक्रम का सफल संचालन स्वाति आशा, राहुल पाटिल एवं संघमित्रा ताईवाडे ने किया। आयोजन की व्यवस्थाओं में बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों एवं कार्यकर्ताओं का सक्रिय सहयोग रहा।

यह अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध मेला शांति, करुणा, समता और मानवता के संदेश के साथ सम्पन्न हुआ और भोपाल के धार्मिक-सांस्कृतिक परिदृश्य में एक ऐतिहासिक अध्याय जोड़ गया। मुख्य संयोजक की भूमिका भंते शाक्यपुत्र सागर थेरो ने निभाई।

कृष्णा पब्लिक स्कूल पड़रिया में गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित

• साधना एक्सप्रेस, रीवा

रीवा* गुड़ विधानसभा स्थित ग्राम पड़रिया कृष्णा पब्लिक स्कूल में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शंकरदयाल गुप्ता, संजय तिवारी, अंकित पटेल एवं विष्णु पटेल उपस्थित रहे। मुख्य अतिथियों द्वारा ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति गीत, भाषण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिन्हें उपस्थित जनसमूह ने सराहा। कार्यक्रम में छात्रों के अभिभावक भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं दीं।

अंत में विद्यालय प्रबंधन द्वारा अतिथियों एवं अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

शास.हाई स्कूल उमरी मे गणतंत्र दिवस समारोह धूमधाम के साथ मनाया गया।संस्था प्रधान श्री राम शिरोमण लोध जी के द्वारा ध्वज फहराया गया।विद्यालय परिवार के द्वारा सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया गया।विद्यालय की छात्राओ द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।विद्यालय मे ही खेलो इंडिया अंतर्गत पंचायत स्तर पर कबड्डी का भी आयोजन पल्हान टीम एवं हाई स्कूल उमरी के बीच रेफरी रवि प्रकाश द्विवेदी के द्वारा कराया गया जिसमे हाई स्कूल उमरी के छात्रो को पंचायत द्वारा शील्ड एवं एक हजार नगद खिलाडियो को दिया गया।

आई सी टी लैब इंपैक्ट एसेसमेंट सर्वे कार्य संपन्न

• साधना एक्सप्रेस, रीवा

रीवा* समग्र शिक्षा अभियान लोक शिक्षण संचनालय भोपाल के निर्देश के अनुक्रम में शासकीय शिक्षा महाविद्यालय रीवा के द्वारा रीवा एवं शहडोल संभाग के रीवा सीधी सतना शहडोल जिले से पांच पांच स्कूले जिनमें सांदीपनी, मॉडल हाई स्कूल शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों की स्कूलों में स्थापित आई सी टी लैब का फील्ड इन्वेस्टिगेशन कराया गया

गौरतलब है कि महाविद्यालय में एम एड प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विभागीय प्रशिक्षणार्थियों का दो सदस्यीय 20 दल गठित कर प्रशिक्षण आयोजित किया जाकर इनवेस्टिगेटर्स की नियुक्ति की गई थी इन्वेस्टिगेटरो द्वारा आवंटित संस्थाओं में 15,16 एवं17 जनवरी को जाकर फील्ड इन्वेस्टिगेशन किया गया जिनमें रीवा जिले की शा उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मार्तंड क्रमांक1,सांदीपनी स्कूल मनगवा शा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़ी हर्दी शा कन्या हाईस्कूल गंगेव, शा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेमरिया के साथ सतना जिले की शास उ मा वि कन्या नागौद, शा उ मा विद्यालय बालक बिरसिंहपुर,शासकीय सांदीपनी उ मा विद्यालय बगहा,शासकीय पी एम श्री उ मा विद्यालय कन्या रामपुर बघेलान,शासकीय उत्कृष्ट उच्च माध्य विद्यालय व्यंकट क्रमांक 1,सीधी जिले की शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मॉडल सिहावल शासकीय उत्तर माध्यमिक विद्यालय मॉडल सीधी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ताला,शा सांदीपनी उ मा वि रामपुर नैकिन,शा सांदीपनी उ मा विद्यालय सीधी तथा शहडोल जिले की शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बुडवा शासकीय मॉडल उत्तर माध्यमिक विद्यालय जयसिंहनगर शासकीय सांदीपनी उत्तर माध्यमिक विद्यालय मऊ शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बाणसागर देवलौंद शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्योहारी में स्थापित आई सी टी लैब का इन्वेस्टिशन किया गया निर्धारित प्रपत्रों में जानकारी संकलित कर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ पी एन मिश्रा, वरिष्ठ व्याख्याता उमेश पांडेय,डा संजीव तिवारी के पास जमा किया गया जिसे एकजाई विश्लेषण किया गया विश्लेषण से यह बात निकलकर आई कि ज्यादातर स्कूलों में आई सी टी लैब अच्छी स्थिति में पाए गए बच्चों,अभिभावकों तथा शिक्षकों में कंप्यूटर के प्रति जिज्ञासा है ।

अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के प्रदेश सचिव सतीश चौबे व श्रावण सेना के जिला अध्यक्ष अनुराग मिश्रा, मुकेश पांडे, प्रकाश मिश्रा, संदीप तिवारी ने यूजीसी कानून के खिलाफ अनोखा और कड़ा विरोध दर्ज कराया है।

सतीश चौबे व अनुराग मिश्रा ने अपने खून से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर इस कानून को तुरंत वापस लेने की मांग की है।

प्रदेश सचिव सतीश चौबे का कहना है कि यूजीसी का नया कानून समाज को बांटने वाला है,

यह सामान्य वर्ग के अधिकारों के साथ अन्याय करता है,

और इससे शैक्षणिक संस्थानों में असंतुलन व वैमनस्य बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि सरकार को यह कानून जनभावनाओं के विरुद्ध नहीं थोपना चाहिए।

चौबे ने चेतावनी दी कि अगर यूजीसी कानून वापस नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा

और यह विरोध देशव्यापी रूप ले सकता है।

खून से लिखे पत्र के जरिए उन्होंने प्रधानमंत्री से भावनात्मक अपील करते हुए कहा कि

"यह कानून सामाजिक समरसता के लिए खतरा है, इसे तुरंत वापस लिया जाए।"

फिलहाल इस पूरे मामले पर सरकार या यूजीसी की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन इस विरोध के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। इस बिल के विरोध में क्या कह रहे सतीश चौबे व अनुराग मिश्रा आप सुन सकते है

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गौरझामर द्वारा धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस, सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे

• सागर, प्रतिनिधि

गौरझामर। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गौरझामर के तत्वावधान में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं क्षेत्र के सैकड़ों नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की शुरुआत झंडा वंदन के साथ की गई। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की अध्यक्षा श्रीमती जानकी वीरेंद्र सिंह लोधी ने झंडा फहराया। जिसके पश्चात राष्ट्रगान गाया गया। श्रीमती लोधी ने कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के संदेश का वाचन किया ।इस अवसर पर वक्ताओं ने देश की आजादी, संविधान की महत्ता और गणतंत्र दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान हमें समानता, स्वतंत्रता और भाईचारे का संदेश देता है, जिसे आत्मसात करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने लोकतंत्र की मजबूती, सामाजिक न्याय और जनहित के मुद्दों पर अपने विचार रखते हुए संविधान की रक्षा के लिए सदैव सजग रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं, जिन्हें उपस्थित जनसमूह ने खूब सराहा। वरिष्ठ कांग्रेस जनों का साल एवं श्रीफल से दादा दीक्षित जी दादा परसोत्तम सेन जी, दादा लामा जैन साहब जी को कार्यक्रम के द्वारा सम्मानित किया गया

अंत में सभी उपस्थित लोगों ने देश की एकता, अखंडता और संविधान के मूल्यों को बनाए रखने की शपथ ली। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर सेवा दल यंग ब्रिगेड के ब्लॉक अध्यक्ष अशोक पटेल ब्लॉक उपाध्यक्ष परसराम पटेल हरिशंकर राजपूत विवेक जैन बंटू यादव मनोहर भाटिया प्रताप मांझी अंबिका रजक प्रिंस शर्मा सुरेंद्र राय भागवत रैकवार हरि राम अहिरवार पंचायत अध्यक्ष मुकेश पटेल गोपाल साहू कुंदन आठिया धर्म यादव घनश्याम पटेल प्रभु सिंह लोधी राहुप खान इकबाल खान भटनागर राय मनोज राय कार्यक्रम का संचालन डॉ वीरेंद्र सिंह लोधी ने किया

कलेक्टर श्री संदीप जी आर का 'ऑन द स्पॉट' एक्शनः शाहगढ़ के पटवारी निलंबित, प्रभारी तहसीलदार को थमाया नोटिस

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने शाहगढ़ क्षेत्र के भ्रमण के दौरान शासकीय कार्यों में लापरवाही और वरिष्ठ कार्यालय के आदेशों की अवहेलना करने पर कड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर ने एक पटवारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है, वहीं प्रभारी तहसीलदार को 'कारण बताओ नोटिस' जारी कर जवाब तलब किया है।

अवैध कब्जे के मामले में बरती लापरवाही

पूरा मामला शाहगढ़ निवासी आवेदक संदीप कुमार जैन की कृषि भूमि (खसरा नंबर 146/1/2) पर अवैध कब्जे से जुड़ा है। 12 जुलाई 2024 को आवेदक के पक्ष में सीमांकन और कब्जा दिलाने का आदेश पारित किया गया था, जिसकी पुष्टि 22 जुलाई 2025 को अपील के निर्णय में भी हुई थी। इसके बावजूद मैदानी अमले द्वारा आवेदक को भूमि पर कब्जा नहीं दिलाया गया।

पटवारी निलंबित, केसली मुख्यालय निर्धारित

कलेक्टर ने पटवारी श्री मौन सिंह गौड़ को म.प्र. सिविल सेवा नियमों के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय तहसील कार्यालय केसली निर्धारित किया गया है। पटवारी पर आरोप है कि उन्होंने आदेश के बावजूद आवेदक को भूमि का कब्जा दिलाने में रुचि नहीं ली।

प्रभारी तहसीलदार से मांगा स्पष्टीकरण

इसी मामले में लापरवाही बरतने पर प्रभारी तहसीलदार शाहगढ़, श्री ज्ञानचंद राय को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। कलेक्टर ने नोटिस में उल्लेख किया कि सिविल जेल की कार्रवाई प्रस्तावित करने के बजाय तहसीलदार द्वारा प्रकरण में कोई वैधानिक कदम नहीं उठाया गया, जो पदीय कर्तव्यों के प्रति घोर उदासीनता है। उन्हें 3 फरवरी 2026 तक व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर जवाब देने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर की सख्त चेतावनी

कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने स्पष्ट किया कि आमजन की समस्याओं का निराकरण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। आदेशों के पालन में देरी या लापरवाही करने वाले किसी भी शासकीय सेवक को बख्शा नहीं जाएगा।

गणतंत्र दिवस पर दिखी विकास की झलक, उपमुख्यमंत्री ने किया उत्कृष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | जिला मुख्यालय पर गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। विभागीय झांकियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों व दलों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

गणतंत्र दिवस का पावन पर्व जिला मुख्यालय पर हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली तथा मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया। उन्होंने जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विभिन्न विभागों की झांकियों और स्कूली बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

झांकियों में दिखा नवाचार और विकास - समारोह का मुख्य आकर्षण विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा निकाली गई भव्य झांकियां रहीं। महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, कृषि, स्कूल शिक्षा, नगर निगम और उद्यानिकी सहित कई विभागों ने अपनी झांकियों के माध्यम से शासन की योजनाओं, नवाचारों और जिले में हुए विकास कार्यों का जीवंत प्रदर्शन किया। इन झांकियों में आधुनिक खेती, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और महिला सशक्तिकरण के संदेश को प्रमुखता से दिखाया गया।

सम्मान और पुरस्कार वितरण - मुख्य अतिथि राजेन्द्र शुक्ल ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही, परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रम और झांकी प्रदर्शन में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले दलों को पुरस्कृत किया गया।

सशस्त्र परेड में जिला पुलिस बल (महिला) सागर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि पीटीएस मकरोनिया दूसरे और जेएनपीए दल तीसरे स्थान पर रहा। निशस्त्र श्रेणी में 7 एमपी बटालियन एनसीसी (बालक) को प्रथम पुरस्कार मिला। विकास की दौड़ में स्वास्थ्य विभाग सागर की झांकी को प्रथम स्थान के लिए चुना गया।

कृषि विभाग को द्वितीय और महिला एवं बाल विकास विभाग को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसके साथ ही स्कूली बच्चों की प्रस्तुतियों में सरस्वती शिशु मंदिर, मोतीनगर ने अपने शानदार प्रदर्शन से प्रथम स्थान हासिल किया। केंब्रिज स्कूल और वात्सल्य स्कूल क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

समारोह के अंत में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह पुरस्कार न केवल उपलब्धि का प्रतीक हैं, बल्कि भविष्य में और अधिक निष्ठा से कार्य करने की प्रेरणा भी देते हैं। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

एसआईआर के आंकड़ों पर घमासान

भोपाल। मप्र में एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन)के बाद जारी किए गए मतदाताओं के आंकड़ों ने भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियों को पसोपेश में डाल दिया है। दोनों पार्टियों ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे एसआईआर कार्यक्रम पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस का आरोप है कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के नाम पर आम मतदाताओं को अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है और बड़ी संख्या में पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने की आशंका बन गई है। वहीं भाजपा ने भी आयोग के सामने अपनी बात रखी है। कांग्रेस अब दस्तावेजों के साथ भारत निर्वाचन आयोग में शिकायत करने जा रही है। पार्टी ने हर जिले से रिपोर्ट मांगी है। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार नाम काटने वाले फॉर्म सात में भारी अनियमितता के आरोप लगाए हैं। पार्टी का दावा है कि प्रिंटेड फॉर्म लिए गए, जो नहीं लिए जा सकते थे। उधर, भाजपा ने स्थायी रूप से स्थानांतरित 22 लाख से अधिक मतदाताओं को अवसर न देने और 20 लाख लोगों के नाम न जुड़ पाने का मुद्दा उठाते हुए प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव कुमार झा को ज्ञापन दिया है। प्रदेश में एसआईआरके अंतर्गत गणना पत्रक जमा कराने के साथ दावा-आपत्ति का चरण पूरा हो चुका है। अब इनका निराकरण किया जाएगा और फिर 21 फरवरी को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा। भाजपा पर दबाव बनाने का आरोप प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का आरोप है कि एसआईआर की प्रक्रिया में भारी गड़बड़ी हुई है। जो नाम काटे गए, उनमें से कई के दोबारा आवेदन जमा कराए गए हैं। भाजपा के कार्यकर्ताओं ने निर्वाचन अधिकारियों पर दबाव बनाकर प्रिंटेड फार्म जमा किए हैं, जबकि ऐसा करने पर जिला निर्वाचन अधिकारी नागांव (असम) ने गलत फार्म-सात के आधार पर की जा रही समस्त प्रक्रिया को निरस्त किया है।

मप्र में बैंकों की 7 हजार ब्रांचों में ताले

5-डे वीक की मांग, 40 हजार बैंककर्मी हड़ताल पर

भोपाल। बैंकों में 5 डे वीक वर्किंग यानी, पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह की मांग को लेकर मंगलवार को एमपी के करीब 40 हजार बैंककर्मी हड़ताल पर रहे। इससे बैंकों की 7 हजार से ज्यादा ब्रांच में ताले लटके दिखे। एक ही दिन में लाखों-करोड़ रुपए के कारोबार पर असर पड़ा। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर यह हड़ताल की गई। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर-ग्वालियर समेत प्रदेशभर की बैंकों में ताले लटके दिखाई दिए। इससे चेक क्लियर, लेन-देन जैसे कामों पर असर पड़ेगा, वहीं एटीएम में रुपयों की कमी भी हो सकती है। उज्जैन की 290 बैंकों के 4 हजार से ज्यादा कर्मचारी हड़ताल पर रहे। यूनाइटेड यूनियन ऑफ बैंक फोरम के सयोंजक विपिन सतोरिया ने बताया कि बैंक कर्मचारी यूनियन ने देश भर के बैंक कर्मचारियों को इस हड़ताल में शामिल होने को कहा था। मंगलवार सुबह 11 बजे कॉसमॉस मॉल के सामने केनरा बैंक की ब्रांच पर बड़ी संख्या में बैंक कर्मी एकत्रित हुए और उन्होंने नारेबाजी करते हुए अपनी मांग रखी। सतोरिया ने कहा कि हमारी मुख्य मांग हफ्ते में पांच दिन काम करने का नियम तुरंत लागू किये जाने की है। इस हड़ताल में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक, इंडियन बैंक जैसे नाम शामिल हैं। 8 मार्च 2024 को सरकार और बैंक यूनियन के बीच समझौता हुआ था कि पांच दिन की वर्किंग दी जाएगी। 690 दिन बीत जाने के बाद भी कोई भी फैसला इस पर नहीं हो पाया है। इस कारण देश भर में बैंक कर्मी हड़ताल पर रहे।

डिजिटल सेवा पर असर नहीं

बैंक की हड़ताल का असर डिजिटल लेनदेन पर नहीं पड़ा। यूपीआई, मोबाइल बैंकिंग और नेट बैंकिंग एटीएम जैसी डिजिटल सेवाएं 24&7 चालू काम करती रही। यूनियन पदाधिकारियों के अनुसार, सरकारी सेक्टर की 12 बड़ी बैंकें- बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, केनरा बैंक, सेंट्रल बैंक, इंडियन बैंक, इंडियन ओवरशिस बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के सभी अधिकारी और कर्मचारी हड़ताल में शामिल हुए। इसके अलावा प्राइवेट सेक्टर की बैंकों के अधिकारी-कर्मचारी भी इस हड़ताल में शामिल हुए। एक ही मांग के लिए हड़ताल आंदोलित बैंककर्मियों की मांग है कि बैंकिंग उद्योग में 5 दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने के लिए केंद्र सरकार मंजूरी दें। शेष सभी शनिवार (वर्तमान में केवल दूसरा और चौथा शनिवार अवकाश है), को अवकाश घोषित किया जाए। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस मध्य प्रदेश के को-ऑर्डिनेटर वीके शर्मा ने बताया कि हड़ताल में देशभर की सरकारी-प्राइवेट के साथ विदेशी बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और सहकारी बैंकों के देशभर के 8 लाख कर्मचारी और अधिकारी शामिल होंगे। एमपी में इनकी संख्या 40 हजार हैं।

लंबे समय से हो रही मांग

शर्मा ने बताया, यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स लंबे समय से बैंकिंग क्षेत्र में सप्ताह में 5 कार्य दिवस लागू करने की मांग करता आ रहा है। 2015 में हुए 10वें द्विपक्षीय समझौते/7वें जॉइंट नोट में भारतीय बैंक संघ और केंद्र सरकार द्वारा सहमति व्यक्त की गई थी। जिसके अनुसार प्रत्येक माह के दूसरे और चौथे शनिवार को अवकाश घोषित किया गया और अन्य शनिवारों को आधे दिन के बजाय पूरा कार्य दिवस किया गया। उस समय यह भी आश्वासन दिया गया था कि शेष सभी शनिवारों को अवकाश घोषित करने की मांग पर उचित समय पर विचार किया जाएगा, किंतु यह मुद्दा लंबित रहा। 2022 में केंद्र सरकार और भारतीय बैंक संघ ने यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के साथ इस विषय पर चर्चा करने पर सहमति जताई। ताकि कार्य घंटे बढ़ाकर शेष शनिवारों को अवकाश घोषित किया जा सके। साल 2023 में चर्चा के पश्चात यह सहमति बनी कि सोमवार से शुक्रवार के कार्य घंटे प्रतिदिन 40 मिनट बढ़ाए जाएंगे और शेष शनिवारों को अवकाश घोषित किया जाएगा। दो साल से लंबित है प्रस्ताव इस प्रस्ताव को विधिवत सरकार को भेजा गया, लेकिन दुर्भाग्यवश पिछले दो वर्ष से सरकार की स्वीकृति लंबित है। सरकार से कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने 24 एवं 25 मार्च-25 को दो दिवसीय हड़ताल का आह्वान किया था। उस समय सरकार ने बताया कि मामला सक्रिय विचाराधीन है। जिसके चलते हड़ताल स्थगित कर दी गई थी।

मप्र के लिए गेम चेंजर साबित होगा 16वां वित्त आयोग

भोपाल। देश में 1 अप्रैल 2026 से लागू होने जा रहे 16वें वित्त आयोग से मध्य प्रदेश सहित सभी राज्यों को केंद्रीय करों में मिलने वाले हिस्से में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। इसके पहले मध्य प्रदेश सरकार ने आयोग के समक्ष राज्यों की हिस्सेदारी बढ़ाने की सिफारिश की है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि आयोग की सिफारिशें प्रदेश के पक्ष में रहीं, तो मध्य प्रदेश को हजारों करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि मिल सकती है, जिससे अधोसंरचना और विकास कार्यों को नई गति मिलेगी।वित्त विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में राज्यों को केंद्रीय करों का 41 प्रतिशत हिस्सा मिलता है। मध्य प्रदेश सरकार ने आयोग के समक्ष यह मांग रखी है कि इसे बढ़ाकर 42 प्रतिशत किया जाए। वहीं यदि उपकर को कर संरचना से बाहर रखा जाए, तो राज्यों की हिस्सेदारी 48 प्रतिशत तक किए जाने का आग्रह किया गया है। वर्तमान में मध्य प्रदेश को कुल संग्रहित केंद्रीय करों में 7.85 प्रतिशत की हिस्सेदारी मिलती है। वित्त विशेषज्ञों का अनुमान है कि नई व्यवस्था लागू होने पर प्रदेश को हर वर्ष 5000 करोड़ रुपये से अधिक की अतिरिक्त राशि प्राप्त हो सकती है। साल 2030-31 तक प्रभावी रहेंगी अनुशंसाएं आर्थिक मामलों के जानकार और यूथ ईकानामिस्ट एसोसिएशन के डॉ देवेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि 1 अप्रैल 2026 से लागू होने जा रहे 16वें वित्त आयोग की अनुशंसाएं मध्य प्रदेश की आर्थिक दिशा और विकास की रफ्तार को नई ऊंचाई देने वाली साबित हो सकती हैं। केंद्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी बढ? की उम्मीद के बीच मध्य प्रदेश को हजारों करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि मिलने की संभावना जताई जा रही है। इससे अधोसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और औद्योगिक विकास को सीधा लाभ मिलेगा। 16वें वित्त आयोग की अनुशंसाएं वित्तीय वर्ष 2030-31 तक प्रभावी रहेंगी। इन्फ्रास्ट्रक्चर पर होगा अतिरिक्त राशि का उपयोग अधिकारियों ने बताया कि राज्य सरकार की योजना इस अतिरिक्त फंड का उपयोग पूंजीगत व्यय के माध्यम से सडक, बिजली, सिंचाई, स्वास्थ्य, शिक्षा और शहरी अधोसंरचना के विकास में करने की है।

अवैध कॉलोनाइजेशन में 10 साल की जेल और एक करोड़ जुमार्ना

नए लाए जा रहे कानून में जमीन भी जब्त कर सकेगी सरकार, लोक सेवा गारंटी के दायरे में भी आएंगे अवैध निर्माण

भोपाल। नगर निगम सीमा और पंचायत क्षेत्र में अवैध कॉलोनियां नेताओं और अफसरों की मेहरबानी से कट गई। पूरे प्रदेश में इनकी संख्या 5 हजार से ज्यादा है। इन कॉलोनियों को वैध करने के प्रयास भी असफल रहे हैं। दूसरी तर शासन अवैध कॉलोनियों के मामले में अब और सख्ती करने जा रहा है, जिसमें कलेक्टर सहित सभी जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी, तो अवैध कॉलोनी काटने वाले कालोनाइजर 10 साल तक की सजा और एक करोड़ तक के जुमार्ने का प्रावधान किया जा रहा है। वहीं निगम सीमा और पंचायत क्षेत्र के साथ पूरे प्रदेश में एक ही लाइसेंस से कॉलोनाइजेशन किया जा सकेगा। हर विधानसभा-लोकसभा या निगम चुनाव से पहले अवैध कॉलोनियों को वैध करने का हल्ला मचाया जाता है, मगर इसके प्रावधान इतने कड़े हैं कि गिनती की कॉलोनियां ही वैध हो पाती है। निगम के कॉलोनी सेल में अवैध कॉलोनियों की सूची है, मगर इनमें से सिर्फ वैध की जा सकने वाली कॉलोनियां ही नियमितिकरण के दायरे में आ सकी है। यही स्थिति पूरे प्रदेश की है और पंचायत क्षेत्र में प्रशासन का कॉलोनी सेल अनुमति देता है। अब नगरीय प्रशासन और विकास विभाग अवैध कॉलोनाइजेशन के मामले में नियमों को और सख्त करने जा रहा है। संभव है कि अभी विधानसभा के बजट सत्र में इस अधिनियम को प्रस्तुत कर मंजूर कर दिया जाए। अभी भी अवैध कॉलोनी के मामले में संबंधित अधिकारी, थाना प्रभारी सहित अन्य की जिम्मेदारी तय है और आज तक एक भी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई। अब नए अधिनियम में कलेक्टर तक को जवाबदार माना जाएगा, अगर अवैध कॉलोनी विकसित होती है। दूसरी तरफ अवैध कॉलोनियों में सजा और जुमार्ने के प्रावधान को भी बढ़ाया जा रहा है।

जनवरी की ठंड के बीच देश के कई राज्यों में मौसम का मिजाज

बारिश के साथ ओले गिरे...फसलों को नुकसान

- ग्वालियर-रतलाम समेत 15 जिलों में मावठा गिरा, आंधी चली, रात में भी अलर्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश में आंधी, बारिश के साथ ओले भी गिर रहे हैं। मंगलवार को आगर-मालवा, गुना और शाजापुर में ओले गिरे। वहीं, 15 से ज्यादा जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश हुई। मौसम विभाग ने रात में भी करीब 18 जिलों में ओले, बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया है। ऐसा साइक्लोनिक सकुर्लेशन (चक्रवात) और ट्रफ की वजह से ऐसा मौसम है। मौसम विभाग के अनुसार, हरियाणा एवं आसपास के क्षेत्रों में एक चक्रवात सक्रिय है। यहीं से ट्रफ भी गुजर रही है। इस वजह से एमपी में असर है। मंगलवार को प्रदेश के 15 से ज्यादा जिलों में आंधी, बारिश का असर देखा गया। आगर-मालवा, शाजापुर और गुना में ओले भी गिरे। वहीं, गुना, शाजापुर, बड़वानी, छतरपुर, मंदसौर, रतलाम, अशोकनगर, भिंड, मुरैना, राजगढ़, शिवपुरी, ग्वालियर, टीकमगढ़, आगर-मालवा, शाजापुर में बारिश हुई। यहां सडकों से पानी बह निकला। रतलाम, शाजापुर और आगर जिलों में तेज आंधी से फसलें खेतों में ही लेट गई। इससे किसानों का भारी नुकसान हुआ है। भिंड, मुरैना-ग्वालियर में भी ओलावृष्टि का अलर्ट मौसम विभाग ने मंगलवार रात में आगर-मालवा, भिंड, मुरैना, शिवपुरी, ग्वालियर, निवाड़ी, दतिया में आकाशीय बिजली चमकने के साथ मध्यम तूफान/ओलावृष्टि होने की संभावना जताई है। वहीं, राजगढ़, गुना, श्योपुर, टीकमगढ़, अशोकनगर, छतरपुर, उज्जैन, खरगोन, बड़वानी, धार और रतलाम में हल्की गरज के साथ बिजली गिरने की संभावना है। 30 को नया सिस्टम, फरवरी में भी बारिश उत्तर-पश्चिम भारत में अगला नया सिस्टम 30 जनवरी को एक्टिव हो रहा है। दो से तीन दिन बाद सिस्टम एमपी में भी असर दिखाएगा। यानी, फरवरी की शुरूआत में भी प्रदेश में बारिश का दौर रह सकता है। बारिश-शीतलहर की वजह से प्रदेश में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में गिरावट देखने को मिलेगा।

नितिन की टीम में चमकेगी मप्र के कई चेहरों की राजनीति

- पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा समेत कई नामों पर भी चर्चा

भोपाल। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के कार्यभार संभालने के साथ ही टीम को लेकर हलचल तेज हो गई है। माना जा रहा है कि जिस तरह राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा हैं उसी तरह उनकी टीम में युवा चेहरे शामिल हो सकते हैं। युवा चेहरों को लेकर सुगबुगाहट तेज हो गई है। राजनीति में पहले से सक्रिय युवा चेहरों को नई जिम्मेदारों मिलने के साथ ही वरिष्ठ नेताओं की धडकनें बढ़ गई हैं। सूत्रों का कहना है कि मप्र भाजपा के पूर्व अध्यक्ष वीडी शर्मा समेत प्रदेश के कुछ अन्य नेताओं को केंद्रीय संगठन में जगह मिल सकती है। गौरतलब है कि भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में हमेशा से मप्र के नेताओं को महत्व मिलता रहता है। ऐसे में इस बार भी मप्र के नेताओं का उम्मीद है कि उनको राष्ट्रीय संगठन में जगह मिलेगी। फिलहाल, आधा दर्जन नेताओं के नाम की चर्चा हो रही है, जिन्हें राष्ट्रीय कार्यकारिणी में जगह मिलने की संभावना है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की ताजपोशी के साथ ही इस बात को लेकर संभावनाएं तेज हो गई हैं कि इस बार नितिन नबीन की टीम में युवा चेहरों को मौका मिलेगा, तो वहीं वरिष्ठ नेताओं की विदाई हो सकती है। वरिष्ठ नेताओं को अन्य जिम्मेदारी दी जा सकती है। जमीनी स्तर पर काम करने वाले युवा चेहरों की तलाश भी तेज हो गई है। जिसे आने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनाव में भी उतारने को लेकर यास लगाए जा रहे हैं। इन नेताओं को मिल सकता है मौका भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की टीम में मप्र के कई नेताओं को मिल सकता है। नबीन की टीम में एमपी के कई नेताओं के नामों पर चर्चा है।

पीएम स्वनिधि योजना के तहत बढ़ाई गई ऋण वितरण की अवधि

- पथ विक्रेताओं को लोन देने में बैंक नहीं दिखा रहे हैं रुचि

भोपाल। मप्र समेत देशभर में हाथठेला और रेहड़ी चलाकर अपना जीवन यापन करने वाले स्ट्रीट वेंडरों को पीएम स्वनिधि योजना के तहत 50 लाख नए स्ट्रीट वेंडरों को सस्ता और सुलभ कर्ज देने का लक्ष्य रखा गया है। इनके साथ कुल 1.15 करोड़ स्ट्रीट वेंडरों को पीएम स्वनिधि योजना के तहत कर्ज उपलब्ध कराया जाएगा। लेकिन विडंबना यह है कि बैंक पथ विक्रेताओं को लोन देने में रूचि नहीं दिखा रहे हैं। यही वजह है कि पीएम स्वनिधि योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में मध्य प्रदेश के पथ विक्रेताओं द्वारा बैंकों में लोन के लिए किए गए 17 लाख 60 हजार 100 आवेदनों में से एक लाख 89 हजार 185 आवेदन लौटा दिए गए। जो 14 लाख 67 हजार 843 आवेदन स्वीकार किए गए, उनमें भी 1,00,012 को मंजूरी नहीं दी गई है और 32,034 लोन वितरण लंबित है। हालांकि 14 लाख 35 हजार 809 आवेदनों में बैंकों से लोन वितरण हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर पथ विक्रेताओं के लिए पीएम स्वनिधि योजना-2.0 शुरू की गई, ताकि वे बैंक से ऋण लेकर स्वरोजगार स्थापित कर सकें।

यूजीसी नियमों को लेकर मप्र में भी बवाल

सवर्ण वर्ग में आक्रोश, सपाक्स ने किया प्रदर्शन

भोपाल। यूजीसी के नए नियमों को लेकर मध्य प्रदेश में भी बवाल शुरू हो गया है। सवर्ण वर्ग में काफी आक्रोश है। सपाक्स पार्टी ने भी यूजीसी के नए कानून का विरोध किया और इसे वापस लेने की मांग की है। वहीं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार से सवाल पूछे हैं। यूसीजी को लेकर सवर्ण वर्ग में आक्रोश है। 7 नंबर के पास हाथों में बैनर लेकर नए कानून का विरोध किया गया। प्रदर्शन करने वालों का कहना है कि यूजीसी के कानून के कारण सवर्ण वर्ग छात्रों पर शोषण बढ़ेगा। इस कानून को वापस लिया जाये ये बर्दाश्त नहीं है। वहीं सपाक्स पार्टी ने भी प्रदर्शन कर कानून वापस लेने की मांग की है। सपाक्स ने भेदभाव करने वाला कानून बताया है। इससे एक वर्ग के छात्रों को कष्ट होगा। यह कानून लाना सामान्य वर्ग के लिए न्याय नहीं है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि देश में कई अलग-अलग वर्ग है। सरकार को कानून बनाते समय सभी वर्गों का ध्यान रखना चाहिए। सरकार ऐसे कई चौपाल करती है, लेकिन जब बात कानून बनाने की आती है तो क्यों सभी की राय नहीं ली जाती ? सिंघार ने आगे कहा कि ग्राम सभा चलाकर बीजेपी कई अभियान चलाती है, लेकिन कानून बनाते वक्त इस तरीके के अभियान भूल जाती है। वहीं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के बयान पर भारतीय जनता पार्टी की प्रतिक्रिया सामने आई है। बीजेपी प्रवक्ता राजपाल सिंह सिसोदिया ने कहा कि संसद में चर्चा होती है। सांसद देश की जनता का प्रतिनिधित्व करते हैं। बहस के बाद बिल पास होता है। संसद सदस्यों की राय जनता की राय मानी जाती है। नेता प्रतिपक्ष भी संसदीय प्रक्रिया से निकले सदस्य हैं।

इंदौर में यूथ कांग्रेस की जन अधिकार यात्रा आज से

- दूषित पानी के विरोध में होगा आयोजन, मृतकों के परिजनों को एक-एक करोड़ देने की मांग

भोपाल। मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इंदौर जल त्रासदी को लेकर राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। इस दौरान शहर कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष अमित खत्री, रवि परमार और अभिज्ञान शुक्ला मौजूद रहे। यश घनघोरिया ने कहा कि इंदौर के भागीरथपुरा में जहरीले पानी से हुई मौतें हत्या के समान हैं। भाजपा की नाकारा और असंवेदनशील सरकार इस पूरे मामले में सच्चाई छुपाने का प्रयास कर रही है। सरकार के आंकड़े वास्तविकता को नहीं दशार्ते, जबकि अब भी हजारों लोग प्रभावित हैं और 200 से 250 लोग अस्पतालों में भर्ती हैं। उन्होंने बताया कि 2 जनवरी को यूथ कांग्रेस ने इंदौर नगर निगम का घेराव किया था, लेकिन सरकार और प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। हाल ही में महू में भी इसी तरह की घटना दोहराई गई, जहां दर्जनों लोग अस्पताल में भर्ती हुए और एक व्यक्ति की मौत हो गई। यश घनघोरिया ने कहा कि सरकार की संवेदनशीलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि मंत्री और महापौर ने पीड़ितों को लेकर अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। ऐसे बयान जनता की भावनाओं का अपमान हैं और लोकतंत्र में यह स्वीकार्य नहीं है। 28 से 5 तक जन अधिकार न्याय पदयात्रा युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने ऐलान किया कि 28 जनवरी से 5 फरवरी तक प्रदेशव्यापी ह्यजन अधिकार न्याय पदयात्राह्न निकाली जाएगी। पदयात्रा की शुरूआत इंदौर की 9 विधानसभा क्षेत्रों से होगी और माता अहिल्या की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर यात्रा का शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अन्याय के खिलाफ संघर्ष की प्रेरणा माता अहिल्या से मिलती है। इस पदयात्रा में प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर का कांग्रेस नेतृत्व भी शामिल होगा। युवा कांग्रेस की प्रमुख मांगें यश घनघोरिया ने कहा कि यह कोई दुर्घटना नहीं बल्कि प्रशासनिक लापरवाही से हुई हत्या है। जब जनता जलकर देती है और बदले में जहरीला पानी मिलता है, तो यह सरकार की सीधी जिम्मेदारी बनती है। उन्होंने छिंदवाड़ा में सिरप से नवजात बच्चों की मौत का भी जिक्र करते हुए कहा कि आज हालात ऐसे हो गए हैं कि पानी पीने से पहले भी सोचना पड़ रहा है। युवा कांग्रेस ने साफ किया कि इंदौर के बाद यह आंदोलन पूरे प्रदेश के जिलों तक फैलाया जाएगा।

प्रदेश में 4000 मेगावाट की थर्मल पॉवर यूनिट लगेंगी

मुख्यमंत्री की उपस्थिति में विद्युत आपूर्ति संबंधी अनुबंधों का हुआ आदान-प्रदान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बिजली का महत्व आज के दौर में ऐसा है जैसे शरीर में प्राण का महत्व है। जिस तरह से जीवन की सभी गतिविधियों के संचालन के लिए शरीर में प्राण आवश्यक है, वैसे ही किसी भी राज्य की प्रगति और उन्नति के लिए पर्याप्त विद्युत उपलब्धता आवश्यक है। प्रदेश में 60 हजार करोड़ रुपए की लागत से 4 हजार मेगावॉट बिजली उत्पादन के लिए हुए समझौते प्रदेश के स्थाई विकास का आधार बनेंगे। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि इससे प्रदेश में कुल विद्युत उपलब्धता में बढ़ोत्तरी होने के साथ-साथ बिजली की मांग की सौ फीसदी आपूर्ति संभव होगी। डिजाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ओन एंड ऑपरेट (डीबीएफओओ) मॉडल पर स्थापित होने वाले इन नए विद्युत संयंत्रों से लगभग 8000 लोगों को प्रत्यक्ष और प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा।
सीएम यादव ने ये बातें मंगलवार को सीएम निवास के समत्व भवन में कहीं। यहां मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और ऊर्जा विभाग के अफसरों की मौजूदगी में एमओयू साइन किए गए। अनूपपुर जिले में इन परियोजनाओं की स्थापना एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के माध्यम से की जाएगी। नई ताप विद्युत परियोजनाओं के लिए डीबीएफओओ आधार पर प्रतिस्पर्धात्मक टेंडर प्रोसेस कराई गई है। इस प्रक्रिया में कुल 3200 मेगावाट क्षमता के लिए तीन सफल डेवलपर्स का चयन किया गया है। साथ ही शासन की स्वीकृति के अनुसार अतिरिक्त 800 मेगावाट क्षमता का आवंटन भी किया गया है। इसमें मेसर्स हिंदुस्तान थर्मल प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को 800 मेगावाट, मेसर्स टोरेंट पावर लिमिटेड को 1600 मेगावाट तथा मेसर्स अदानी पावर लिमिटेड को 800 मेगावाट क्षमता आवंटित की गई है। ग्रीनफील्ड विकल्प के अंतर्गत अतिरिक्त 800 मेगावाट क्षमता का आवंटन किया गया है। सभी परियोजनाओं के लिए विद्युत आपूर्ति अनुबंध संबंधित विकासकताओं द्वारा गठित स्पेशल पर्पस व्हीकल के साथ किए गए हैं। प्रस्तावित सभी ताप विद्युत परियोजनाएं प्रदेश के अनूपपुर जिले में स्थापित की जाएंगी। इन परियोजनाओं के माध्यम से राज्य में लगभग 60 हजार करोड़ रुपए का प्रत्यक्ष निवेश होने की संभावना है। साथ ही करीब 3000 प्रत्यक्ष एवं 5000 अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर बनेंगे। इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद विद्युत आपूर्ति अनुबंधों के अंतर्गत वर्ष 2030 तक बिजली आपूर्ति उपलब्ध होने की संभावना जताई गई है।

|| संपादकीय ||

मदर ऑफ ऑल ट्रेड डील्स ने ट्रंप की टैरिफ वाली राजनीति को दिया तगड़ा जवाब

भारत और यूरोपीय संघ के बीच लंबे इंतजार के बाद मुक्त व्यापार समझौता आखिरकार संपन्न हो गया। इसे दोनों पक्षों ने मदर ऑफ ऑल डील्स कहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा के साथ इस समझौते के राजनीतिक ऐलान पर हस्ताक्षर और आदान प्रदान हुआ। इस अवसर पर यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष ने कहा कि आज भारत और यूरोप इतिहास बना रहे हैं। यह समझौता दो अरब लोगों का मुक्त व्यापार क्षेत्र तैयार करता है जिससे दोनों पक्षों को लाभ होगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह केवल शुरुआत है और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर को भारत के आर्थिक भविष्य के लिए निर्णायक बताते हुए कहा कि भारत और यूरोपीय संघ मिलकर वैश्विक जीडीपी का लगभग पच्चीस प्रतिशत और दुनिया के कुल व्यापार का करीब एक तिहाई हिस्सा रखते हैं। उन्होंने कहा कि यह समझौता एक सौ चालीस करोड़ भारतीयों और करोड़ों यूरोपीय नागरिकों के लिए नए अवसर खोलेगा।

हम आपको बता दें कि इस मुक्त व्यापार समझौते के तहत यूरोपीय संघ अपने लगभग 97 प्रतिशत वस्तु निर्यात पर भारत में शुल्क हटाएगा या कम करेगा। इससे हर साल करीब चार अरब यूरो की बचत होगी। भारत के लिए इसका मतलब है कि यूरोपीय कारें, बीयर, जैतून का तेल और प्रोसेस्ड फूड सस्ते होंगे। वहीं भारत को कपड़ा, चमड़ा, समुद्री उत्पाद और कई श्रम आधारित क्षेत्रों में शुल्क मुक्त या रियायती पहुंच मिलेगी। देखा जाये तो भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते के बाद भारत में कई यूरोपीय उत्पाद सस्ते होने की संभावना है। इस समझौते के तहत यूरोप से आयात होने वाली प्रीमियम कारों पर शुल्क में कटौती होगी जिससे बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज जैसी गाड़ियां पहले के मुकाबले कम कीमत पर उपलब्ध हो सकेंगी। यूरोपीय शराब, बीयर और वाइन पर भी टैक्स घटेगा जिससे ये उत्पाद आम उपभोक्ताओं के लिए अधिक सुलभ होंगे। इसके अलावा, चॉकलेट और अन्य खाद्य वस्तुएं भी सस्ती हो सकती हैं। साथ ही मेडिकल उपकरण, ऑप्टिकल मशीनें और उन्नत तकनीकी सामान पर शुल्क हटने से स्वास्थ्य सेवाओं और उद्योगों की लागत कम होगी। वहीं रत्न, आभूषण और प्लास्टिक जैसे क्षेत्रों में शून्य शुल्क का लाभ मिलने से इन उत्पादों की कीमतों पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा और घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

समझौते के तहत मशीनरी, रसायन और दवाओं पर ऊंचे शुल्क लगभग खत्म हो जाएंगे। विमान और अंतरिक्ष उपकरणों पर भी शुल्क हटाने का रास्ता साफ हुआ है। यूरोपीय संघ का अनुमान है कि इससे वर्ष 2032 तक उसका भारत को निर्यात दोगुना हो सकता है। साथ ही दोनों पक्षों ने व्यापार के साथ सुरक्षा और रक्षा साझेदारी की भी घोषणा की है। यूरोपीय संघ ने अगले दो वर्षों में पांच सौ मिलियन यूरो की सहायता से भारत के हरित ऊर्जा और जलवायु प्रयासों को समर्थन देने की बात भी कही है। यह समझौता केवल आर्थिक नहीं बल्कि जलवायु और रणनीतिक आयाम भी रखता है। हम आपको यह भी बता दें कि इस समझौते के लागू होने में अभी कुछ समय लगेगा और इसके 2027 की शुरुआत में प्रभावी होने की संभावना है।

देखा जाये तो भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ यह मुक्त व्यापार समझौता बदलती वैश्विक राजनीति में एक स्पष्ट संदेश भी है। यह संदेश खास तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दबाव और टैरिफ आधारित नीति के लिए करारा झटका है। बीते वर्षों में अमेरिका ने व्यापार को हथियार की तरह इस्तेमाल किया। ऊंचे शुल्क धमकियां और सहयोगियों पर दबाव ट्रंप की पहचान बन गई। भारत पर रूसी तेल खरीद को लेकर अतिरिक्त शुल्क और यूरोप पर लगातार दबाव इसी नीति का उदाहरण हैं। ऐसे माहौल में भारत और यूरोपीय संघ का एक दूसरे के साथ इतनी व्यापक डील करना यह दिखाता है कि दुनिया अब दबाव नहीं बल्कि साझेदारी चाहती है।

यह समझौता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका और यूरोप के बीच व्यापार वार्ता ठंडी पड़ी हुई है। यूरोप ने साफ कर दिया कि वह अपमान और धमकी की राजनीति के आगे नहीं झुकेगा। भारत ने भी अमेरिका के साथ व्यापार वार्ताओं में कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में अपनी लाल रेखा स्पष्ट रूप से सामने रखी है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति ने पिछले एक दशक में आत्मविश्वास और व्यवहारिकता का नया मेल दिखाया है। भारत ने अमेरिका, यूरोप, रूस और एशिया सभी के साथ अपने हितों के आधार पर संबंध रखे। भारत न तो किसी दबाव में झुका और न ही टकराव की भाषा अपनाई। यही कारण है कि यूरोपीय संघ जैसा जटिल समूह भारत के साथ इतने व्यापक समझौते पर सहमत हुआ।

सामरिक दृष्टि से यह समझौता वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को विविध बनाने में मदद करेगा। चीन पर निर्भरता कम करने और सुरक्षित सप्लाई चेन बनाने की यूरोप की जरूरत भारत को स्वाभाविक साझेदार बनाती है। यह समझौता भारत के लिए तकनीक निवेश और रोजगार का नया रास्ता भी खोलता है। साथ ही रक्षा और सुरक्षा सहयोग से हिंद प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता को भी बल मिलेगा। यह डील यह भी दिखाती है कि व्यापार समझौते केवल आर्थिक लाभ के लिए नहीं बल्कि राजनीतिक संतुलन के लिए भी होते हैं। भारत और यूरोप दोनों ही यह संकेत दे रहे हैं कि वह बहुध्रुवीय दुनिया में स्वतंत्र फैसले लेने को तैयार हैं। ट्रंप की टैरिफ नीति के उलट यह समझौता संवाद, विश्वास और सम्मान पर टिका है।

बहरहाल, यह कहा जा सकता है कि भारत और यूरोपीय संघ का यह मुक्त व्यापार समझौता नई वैश्विक व्यवस्था की झलक है। जहां दबाव की जगह साझेदारी है और धमकी की जगह भरोसा। मोदी सरकार की विदेश नीति ने भारत को इस मुकाम पर पहुंचाया है जहां वह न केवल अपने हितों की रक्षा करता है बल्कि वैश्विक स्थिरता में भी निर्णायक भूमिका निभाता है। यही इस ऐतिहासिक समझौते की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

• नीरज कुमार दुबे

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

महाराष्ट्र राजनीति के धुरंधर नेता रहे अजित पवार की राजनीतिक विरासत का कौन बनेगा उत्तराधिकारी?

> हम आपको बता दें कि अजित पवार अपने पीछे पत्नी सुनेत्रा पवार, जो राज्यसभा सांसद हैं और दो पुत्र पार्थ व जय को छोड़ गए हैं। सुनेत्रा पवार ने 2024 के लोकसभा चुनाव में बारामती से चुनाव लड़ा था, जहां उनका मुकाबला अपनी ननद सुप्रिया सुले से हुआ था।

महाराष्ट्र की राजनीति आज सुबह एक भयानक सदमे से हिल गई जब उपमुख्यमंत्री अजित पवार का चार्टर्ड विमान बारामती जाते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया और आग की लपटों में समा गया। जिला परिषद चुनाव के लिए रैली में शामिल होने जा रहे अजित पवार की मौके पर ही मृत्यु हो गई। अब सवाल यह है कि अजित पवार की राजनीतिक विरासत कौन संभालेगा? सवाल यह भी है कि अजित पवार के निधन के बाद क्या अब उनकी पार्टी और उनके विधायक एकजुट रह पाएंगे? सवाल यह भी है कि यदि अजित पवार की पत्नी या बेटे ने एनसीपी की कमान संभाली तो क्या पार्टी के वरिष्ठ नेता उसी तरह उनके आदेश का पालन करेंगे जैसा कि वह अजित पवार के पार्टी अध्यक्ष रहते हुए करते थे?

हम आपको बता दें कि अजित पवार अपने पीछे पत्नी सुनेत्रा पवार, जो राज्यसभा सांसद हैं और दो पुत्र पार्थ व जय को छोड़ गए हैं। सुनेत्रा पवार ने 2024 के लोकसभा चुनाव में बारामती से चुनाव लड़ा था, जहां उनका मुकाबला अपनी ननद सुप्रिया सुले से हुआ था। यह मुकाबला इसलिए भी राष्ट्रीय चर्चा में रहा क्योंकि यह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विभाजन और पवार परिवार की अंदरूनी दरार के तुरंत बाद हुआ था। जीत सुप्रिया सुले की हुई थी और बाद में राज्यसभा चुनाव जीत कर सुनेत्रा पवार भी संसद पहुँचीं। भले सुनेत्रा अजित पवार की स्वाभाविक राजनीतिक उत्तराधिकारी मानी जा रही हों लेकिन चुनावी राजनीति का अनुभव उनका बेहद कम है।

देखा जाये तो अजित पवार का निधन ऐसे समय हुआ है जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी पहले से ही संक्रमण के दौर से गुजर रही है। हालिया निकाय चुनावों में एनसीपी के दोनों गुटों को निराशा ही हाथ लगी थी। हम आपको याद दिला दें कि जुलाई 2023 में एनसीपी टूट चुकी थी और चुनाव आयोग ने अजित पवार गुट को आधिकारिक एनसीपी और घड़ी चुनाव चिन्ह सौंपा था। वह छह बार महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री रहे और वर्तमान महायुति सरकार में भी यही पद संभाल रहे थे। उनके जाने से सरकार के भीतर भी समीकरण बदलने की आशंका है। हम आपको बता दें कि एनसीपी के 41 विधायक हैं।

हाल के महीनों में यह संकेत भी मिलने लगे थे कि अजित पवार और उनके चाचा शरद पवार के बीच रिश्तों में नरमी आ रही है। पुणे और पिंपरी चिंचवड के नगर निगम चुनावों को दोनों गुटों ने साथ मिलकर लड़ा था। साथ ही आगामी निकाय चुनावों के लिए भी तालमेल घोषित किया गया था। ऐसे में अजित पवार की अचानक मौत ने संभावित मेल मिलाप की प्रक्रिया को अधर में लटका दिया है।

देखा जाये तो अजित पवार केवल उपमुख्यमंत्री नहीं थे, वह सत्ता की धुरी थे, वह धुरी जो पवार परिवार के अलग अलग धड़ों, ग्रामीण महाराष्ट्र की राजनीति और दिल्ली के समीकरणों को एक साथ थामे हुए थी। अब सवाल यह नहीं कि शोक कितना गहरा है, सवाल यह है कि इस शून्य को कौन भरेगा और किस कीमत पर।

एनसीपी आज जिस मोड़ पर खड़ी है, वहां नेतृत्व का संकट केवल संगठनात्मक नहीं बल्कि वंशानुगत भी है। एक तरफ सुनेत्रा पवार हैं, जिनके नाम को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं कि वह अजित पवार की विरासत संभाल सकती हैं। दूसरी तरफ पार्थ पवार हैं, जिन्हें उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है, भले ही उनका राजनीतिक अनुभव सीमित हो और उनके साथ जुड़े हालिया विवादों ने पार्टी को रक्षात्मक बना दिया हो। वहीं जय पवार फिलहाल राजनीति से दूर हैं, लेकिन पवार परिवार में दूरी स्थायी नहीं होती।

दूसरी ओर शरद पवार खेमे में रोहित पवार को आगे बढ़ाया जा रहा है। युवा, आक्रामक और निष्ठावान रोहित पवार राज्य की राजनीति में अपनी जमीन मजबूत कर रहे हैं। लेकिन पार्थ और रोहित के बीच वैचारिक और व्यक्तिगत टकराव किसी भी संभावित एकीकरण को बेहद कठिन बना देता है। ऊपर से 2024 चुनाव में सुनेत्रा को बाहरी कहने वाली टिप्पणी ने जो जख्म दिए, वे अभी भरे नहीं हैं।

अजित पवार वह नेता थे जो सत्ता में रहने के लिए सत्ता को साधना जानते थे। उन्होंने भाजपा, शिवसेना, कांग्रेस सभी के साथ सरकारें चलाईं और हर बार खुद को अपरिहार्य साबित किया। वह जनता से कहते थे कि सत्ता सेवा का साधन है और उसी तर्क से अपने राजनीतिक मोड़ बदलते रहे। यह लचीलापन ही उनकी ताकत था और यही अब पार्टी के लिए सबसे बड़ी कमी बन गया है।

अब एनसीपी के सामने तीन रास्ते हैं। पहला, दोनों गुटों का विलय, जो भावनात्मक रूप से आकर्षक है लेकिन व्यवहारिक रूप से विस्फोटक। दूसरा, अजित पवार गुट का अलग अस्तित्व, जहां अनुभवहीन नेतृत्व को विधायकों को जोड़े रखने की अग्निपरीक्षा देनी होगी। तीसरा, शरद पवार का सक्रिय राजनीति से हटने का फैसला टलना, ताकि वे इस उथल पुथल में संतुलन बनाए रख सकें।

महाराष्ट्र की राजनीति में पवार नाम सिर्फ एक सरनेम नहीं, एक ब्रांड है। अजित पवार उस ब्रांड के सबसे तेज धार वाले औजार थे। उनके बिना यह ब्रांड बिखर भी सकता है और नए सिरे से गढ़ा भी जा सकता है। लेकिन इतना तय है कि आने वाले महीनों में एनसीपी के भीतर सत्ता संघर्ष और तेज होगा और विरासत की यह जंग महाराष्ट्र की राजनीति को और आक्रामक बनाएगी।

बहरहाल, यह सही है कि शोक के इस क्षण में संयम की बातें होंगी, लेकिन राजनीति शून्य नहीं सहती। अजित पवार की चिता की आग ठंडी होने से पहले उत्तराधिकार की आग भड़क चुकी है। सवाल सिर्फ इतना है कि इस आग में कौन राख बनेगा और कौन सत्ता की भट्टी में खुद को नया नेता गढ़ पाएगा।

• नीरज कुमार दुबे

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

'मदर ऑफ ऑल डील्स'

इस बार गणतंत्र दिवस के अगले ही दिन 27 जनवरी 'ऐतिहासिक' साबित हो सकती है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच 'मुक्त व्यापार समझौते' (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। यूरोपीय संघ आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर ने इसके स्पष्ट संकेत देते हुए इसे 'मदर ऑफ ऑल डील्स' करार दिया है। यह कथन स्वाभाविक भी है। भारत 147 करोड़ से अधिक की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है और विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक के आकलन हैं कि 2026-27 में भी भारत की अर्थव्यवस्था, करीब 6.5 फीसदी की विकास दर के साथ, सबसे तेज गति वाली होगी। आईएमएफ की उप प्रबंध निदेशक रह चुकीं गीता गोपीनाथ का आकलन है कि 2028 में ही भारत तीसरे स्थान की अर्थव्यवस्था बन सकता है। ऐसे देश के साथ व्यापार समझौता करने से यूरोपीय देशों को एक व्यापक, विविध बाजार मिलेगा। यूरोप के 27 देश, 22.5 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी, करीब 46 करोड़ आबादी, करीब 49,000 डॉलर की औसतन प्रति व्यक्ति आय वाले देशों के संघ के साथ भारत का एफटीए, यकीनन, पूरी दुनिया के लिए चौंकाने वाला संदेश लाएगा। यह समझौता 193 करोड़ से अधिक की आबादी के लिए बेहद अहम होगा। नए व्यापारिक आयाम खुलेंगे, उत्पादों की मांग बढ़ेगी, उत्पादन में बढ़ोतरी होगी, नतीजतन नए रोजगार भी पैदा होंगे। गौरतलब यह है कि 19 साल से दोनों के बीच व्यापार समझौते पर बातचीत के कई दौर जारी रहे। तब इसे 'ब्रॉड बेस्ड ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट एग्रीमेंट' (बीटीआईए) नाम दिया गया था, लेकिन 2007-13 के बीच संवाद के कई दौरों के बावजूद व्यापार समझौता सहमतियों तक पहुंच नहीं पाया। यूरोपीय संघ बाजार तक पहुंच, टैक्स, बौद्धिक अधिकार एवं संपदा, श्रम कानून-नियम, पर्यावरण मानकों सरीखे मुद्दों पर सहमत नहीं होता था।

कार्बन फुटप्रिंट को लेकर आज भी यूरोप के सवाल यथावत हैं। हालांकि भारत ने वैकल्पिक प्रयासों से कार्बन उत्सर्जन को लगभग शून्य करने के लिए ईमानदार उपक्रम भी किए हैं। मसलन- वनों के विस्तार, स्वच्छ ऊर्जा आदि। जाहिर है कि यूरोपीय संघ ने पर्यावरण और प्रदूषण को लेकर भारत की गंभीरता को समझा होगा। बहरहाल यह समझौता सालों तक टलता रहा, लटकता रहा, अंततः 2022 में नई राजनीतिक इच्छा के साथ एक व्यापक एफटीए को पूरा करने पर बातचीत शुरू हुई। वित्त वर्ष 2024-25 में यूरोपीय संघ को भारत का निर्यात 75.85 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 60.68 अरब डॉलर का किया गया। फिर भी यूरोप को भारत का निर्यात, चीन की तुलना में, कई गुना कम है। अब यूरोपीय संघ, भारत के लिए, सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन सकता है। भारत से भेजे गए कपड़े, रेडीमेड वस्त्र, चमड़े के सामान, समुद्री उत्पाद आदि पर अभी 2-12 फीसदी टैक्स लगता है। दवाएं, खासकर जेनेरिक दवाएं, रसायन के संदर्भ में, एफटीए के बाद, मंजूरी प्रक्रिया, कर और अन्य मानक अपेक्षाकृत आसान होंगे। जाहिर है कि उत्पाद सस्ते पड़ेंगे, लिहाजा यूरोपीय बाजार में ज्यादा बिकेंगे। एफटीए से भारत को यूरोपीय संघ के 'कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म' से छूट मिलेगी। हालांकि दोनों पक्षों का लक्ष्य है कि 2050 तक कार्बन उत्सर्जन को 'शून्य' तक लाया जाए। इस्पात और एल्यूमीनियम का उत्पादन करने वाले भारत के लिए यह कर पाना वाकई एक बड़ी चुनौती है। फिलहाल यूरोपीय वाइन और स्पिरिट्स पर 150-200 फीसदी तक टैक्स लगता है। यूरोप से प्रीमियम और लग्जरी कारों पर भी 100-125 फीसदी तक आयात शुल्क लगता है। यदि एफटीए हो जाता है, तो यूरोप से औद्योगिक मशीनें, बिजली का सामान, रसायन के अलावा आईटी, इंजीनियरिंग, बिजनेस सर्विसेज, टेलीकॉम सरीखे सेवा क्षेत्रों को भी फायदा मिलेगा। इसके साथ ही विमानों के पुर्जे, हीरे, लग्जरी सामान के लिए भारत में नए अवसर बन सकते हैं। यूरोपीय लग्जरी कारें भारत में सस्ती मिल सकती हैं।

टेक्नोलॉजी

फोन अचानक स्लो हो गया? सावधान! कहीं चुपके से AI मालवेयर तो नहीं कर रहा आपकी जासूसी

एंड्रॉयड स्मार्टफोन्स को लेकर साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स ने एक नए और बेहद चालाक मैलवेयर को लेकर अलर्ट जारी किया है. यह खतरा इसलिए ज्यादा गंभीर माना जा रहा है क्योंकि यह मैलवेयर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी AI की मदद से काम करता है. इसकी खास बात यह है कि यह बिना किसी चेतावनी के फोन के अंदर एक्टिव रहता है और धीरे-धीरे उसकी परफॉर्मेंस खराब करता चला जाता है.

चुपचाप करता है काम, यूजर को नहीं लगती भनक - रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह AI मैलवेयर न तो सीधे आपकी निजी जानकारी चुराता है और न ही पारंपरिक तरीके से जासूसी करता है. एक बार फोन में घुसने के बाद यह बेहद स्मार्ट तरीके से बैकग्राउंड में एक्टिव हो जाता है. AI तकनीक की मदद से यह ऐप्स और वेबसाइट्स पर दिखने वाले विज्ञापनों को पहचानता है और अपने आप उन पर क्लिक करता रहता है. यूजर को लगता है कि फोन सामान्य रूप से चल रहा

है जबकि अंदर ही अंदर सिस्टम पर अतिरिक्त दबाव बढ़ता जाता है.

फोन स्लो होने के पीछे छुपा असली कारण - साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि लगातार होने वाली ये बैकग्राउंड एक्टिविटीज फोन के प्रोसेसर और RAM पर ज्यादा लोड डालती हैं. इसका असर यह होता है कि मोबाइल धीरे-धीरे स्लो होने लगता है, बैटरी असामान्य रूप से तेजी से खत्म होने लगती है और कई मामलों में फोन जरूरत से ज्यादा गर्म भी हो जाता है. कुछ यूजर्स को अचानक डेटा खपत बढ़ने का भी सामना करना पड़ सकता है.

Dr. Web की रिपोर्ट ने खोली पोल - इस खतरनाक मैलवेयर का खुलासा साइबर सिक्योरिटी कंपनी Dr. Web की रिसर्च में हुआ है. एक्सपर्ट्स के मुताबिक, यह मैलवेयर खुद को इस तरह छुपा लेता है कि वह किसी सामान्य ऐप प्रोसेस का हिस्सा लगे. चूंकि कोई संदिग्ध पॉप-अप या अजीब हरकत सामने नहीं आती इसलिए यूजर्स को लंबे समय तक एहसास ही नहीं होता कि उनका फोन संक्रमित हो चुका है.

APK फाइल्स से फैल रहा है खतरा - रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि यह मैलवेयर संक्रमित एंड्रॉयड ऐप्स के जरिए फैल रहा है. इनमें से कुछ ऐप्स Xiaomi के GetApps स्टोर और अन्य थर्ड-पार्टी प्लेटफॉर्म्स पर भी देखे गए हैं. खासतौर पर वे यूजर्स ज्यादा जोखिम में हैं जो अनजान वेबसाइट्स से APK फाइल डाउनलोड कर अपने फोन में ऐप्स इंस्टॉल करते हैं. एक बार इंस्टॉल होने के बाद यह मैलवेयर लगातार बैकग्राउंड में चलता रहता है और फोन की हालत धीरे-धीरे खराब करता जाता है.

जनरल नॉलेज

अगर खेत में क्रैश हो जाए विमान तो क्या मिट्टी हो जाती है बंजर, जानें क्या दोबारा वहां हो सकती है खेती

> महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की एक विमान हादसे में मौत हो गई है. आइए जानते हैं कि जिस खेत में विमान गिरा क्या वहां की जमीन हमेशा के लिए खराब हो गई या नहीं.

महाराष्ट्र के बारामती के पास एक प्राइवेट प्लेन क्रैश की खबर ने पूरे राज्य में दहशत और दुख फैला दिया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक विमान एक खेत में गिरा और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार समेत पांच लोगों की मौत हो गई. इसी बीच आइए जानते हैं कि क्या जिस खेत में प्लेन क्रैश हुआ है वहां खेती करना संभव हो पाएगा या फिर जमीन हमेशा के लिए खराब हो गई.

प्लेन क्रैश के बाद मिट्टी का क्या होता है - जब भी कोई विमान खेत में गिरता है तो नुकसान सिर्फ सतह पर दिखने तक ही सीमित नहीं होता. विमान में जमा जेट फ्यूल, लुब्रिकेंट्स, हाइड्रोलिक फ्लूइड्स और दूसरे केमिकल अक्सर टक्कर के बाद मिट्टी में रिस जाते हैं. यह पदार्थ मिट्टी की रासायनिक बनावट को बदल सकते हैं और साथ ही यह कुछ समय के लिए जहरीली हो जाती है. इस तरह का प्रदूषण सीधे मिट्टी के स्वास्थ्य पर असर डालता है और खेती अगर काफी जल्दी शुरू कर दी जाए तो फसलों के लिए खतरा पैदा हो सकता है.

मिट्टी की उर्वरता और सूक्ष्मजीवों पर असर - स्वस्थ मिट्टी लाखों सूक्ष्मजीवों पर निर्भर करती है जो ऑर्गेनिक पदार्थ को तोड़ने और पौधों के लिए पोषक तत्व को मौजूद करने में मदद करते हैं. गिरे हुए एवियशन फ्यूल और तेल इन फायदेमंद रोगाणुओं को मार सकते हैं. इससे नतीजा यह होगा की मिट्टी कुछ समय के लिए अपनी प्राकृतिक उर्वरता खो सकती है. ऐसे प्रदूषण के तुरंत बाद उगाई गई फसलों में खराबी दिख सकती है या वे हानिकारक अवशेषों को सोख सकती है. इस वजह से यह फसल खाने के लिए असुरक्षित हो जाती हैं.

क्या उसी खेत में खेती फिर से शुरू की जा सकती है - ऐसे मामलों में खेती हमेशा के लिए बंद नहीं होती लेकिन इसे तुरंत फिर से शुरू नहीं किया जा सकता. खेत की मिट्टी का सुधार करना काफी ज्यादा जरूरी है. इसमें मिट्टी की ऊपरी प्रदूषित परत को हटाना, जमीन का खास न्यूट्रलाइजिंग एजेंट से इलाज करना या फिर प्रदूषकों के प्राकृतिक रूप से खत्म होने के लिए समय देना शामिल हो सकता है. कुछ मामलों में फाइटोरेमेडियेशन यानी जहर को सोखने के लिए खास पौधों का इस्तेमाल करने की भी सलाह दी जाती है.

कोई भी फसल दोबारा बोने से पहले वैज्ञानिक तरीके से मिट्टी की जांच करना काफी जरूरी है. कृषि और पर्यावरण विशेषज्ञ ईंधन के अवशेषों, भारी धातुओं और मिट्टी के पीएच में बदलाव की जांच करते हैं. जब अधिकारी यह सर्टिफाई कर देते हैं कि प्रदूषण का स्तर सीमा के अंदर है तभी खेती सुरक्षित रूप से दोबारा शुरू की जा सकती है.

ग्रीस, इजरायल संग मिलकर भारत बनाएगा `मेडिटेरेनियन क्वाड'? तुर्की-पाकिस्तान के खिलाफ बनेगा दीवार

एजेंसी तेल अवीव

ग्रीस, साइप्रस और इजरायल ने हाल ही में त्रिपक्षीय सैन्य सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस गुट में भारत के भी शामिल होने की चर्चा चल रही है। इजरायल, ग्रीस और साइप्रस ने बाकायदा '3+1' मंच में शामिल होने के लिए भारत को आमंत्रित किया है। भारत के इन तीनों देशों से अच्छे संबंध हैं। दूसरी ओर तुर्की और पाकिस्तान के गठजोड़ का मुकाबला करने के लिए भी भारत को यह गुट अच्छा विकल्प दे सकता है। ऐसे में भारत के इसमें आने की संभावना को ताकत मिल रही है। भारत अगर इसमें आता है तो 'भूमध्यसागरीय क्वाड' (MedQUAD) का रास्ता खुल जाएगा

रिटायर्ड इंडियन एयर मार्शल अनिल चोपड़ा के मौजूदा ग्रीस-साइप्रस-इजरयल त्रिपक्षीय फ्रेमवर्क में भारत को शामिल करके मेडिटेरेनियन क्वाड में बदलने के प्रस्ताव ने भूराजनीतिक हलकों में बहस छेड़ दी है। चोपड़ा का सुझाव है कि इसमें ना सिर्फ भारत बल्कि संयुक्त अरब अमीरात (UAE) को भी शामिल किया जा सकता है। हालांकि भारत ने आधिकारिक तौर पर ऐसा कोई संकेत अभी नहीं दिया है।

पाकिस्तान ने बीते साल सऊदी अरब के साथ रक्षा समझौता किया है। इसमें तुर्की के भी आने की संभावना है। सऊदी अरब और पाकिस्तान इसके लिए तुर्की से बात कर रहे हैं। यह नाटो स्टाइल का समझौता है, जिसमें एक देश पर हमले को गुट के दूसरे सदस्यों पर भी हमला मान जाएगा। ऐसे में इसे इस्लामिक नाटो कहा जा रहा है। पाकिस्तान से तनावपूर्ण रिश्ते के बीच इस्लामिक नाटो की यह कोशिश भारत की चिंता बढ़ा रही है।

सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान साथ होने पर मिलकर एक बड़ी सैन्य और आर्थिक ताकत बन जाते हैं। ऐसे में इसके जवाब के तौर पर भारत के ऐसे गुट में शामिल होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है, जिसमें इजरायल जैसी मजबूत सैन्य ताकत हो। वहीं यूएई के भारत और इजरयल के साथ आने की चर्चा इसलिए जोर पकड़ रही है क्योंकि उसके सऊदी अरब से रिश्ते फिलहाल निचले स्तर पर हैं।

सऊदी-पाकिस्तान-तुर्की का गठबंधन भारत के लिए गंभीर रणनीतिक चिंताएं पैदा करता है। वहीं सऊदी की ताकत यूएई के लिए चिंता का सबब है। भारत के इजरायल, ग्रीस, साइप्रस से अच्छे संबंध हैं। यूएई के इजरायल और भारत से अच्छे संबंध हैं। ये समीकरण ऐसे हैं कि यूएई और भारत इस गुट में आ सकते हैं। ऐसे में संभव है कि भविष्य में यूएई, भारत, इजरायल, ग्रीस और साइप्रस एक साथ मेडिटेरेनियन क्वाड के तौर पर दिखें।

भारत ही नहीं, यूरोप के लिए भी खतरा बना पाकिस्तान का इस्लामी जिहाद, फिनलैंड मिलिट्री का बड़ा खुलासा

एजेंसी हेलसिंकी

पाकिस्तान पूरी दुनिया के लिए खतरा बनता जा रहा है। इसका राज्य प्रायोजित आतंकवाद अब यूरोपीय देशों तक फैल चुका है। इसकी पुष्टि 2026 के फिलनैंड मिलिट्री इंटेलिजेंस रिव्यू में हुआ है। इसमें बताया गया है कि पाकिस्तान स्थित इस्लामी जिहादी नेटवर्क यूरोप के लिए लगातार एक स्थायी और विकसित हो रहा सुरक्षा खतरा बन गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इससे पहले भारत को खतरा था, लेकिन अब इनकी पहुंच पूरी दुनिया तक हो चुकी है। अब बड़े अंतरराष्ट्रीय सिस्टम में शामिल हैं। इस क्लासिफाइड फिनिश मिलिट्री इंटेलिजेंस रिव्यू ने पश्चिमी खुफिया एजेंसियों की नींदें उड़ा दी है। CNN-News18 की रिपोर्ट के अनुसार, फिनिश आकलन रिपोर्ट, यूनाइटेड किंगडम और फ्रांस के सार्वजनिक रूप से पाकिस्तानी मूल के चरमपंथी नेटवर्कों के दक्षिण एशिया और यूरोप दोनों को प्रभावित करने वाले आतंकी गठजोड़ में शामिल होने के दावे के बाद आई है। पिछले कुछ वर्षों में, जर्मनी और नीदरलैंड सहित कई यूरोपीय देशों ने आधिकारिक बयानों, खुफिया आकलन और अदालती कार्यवाही में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे पाकिस्तानी आतंकवादी समूहों से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं का बार-बार जिक्र किया गया है फिनलैंड की सेना के खुफिया आकलन में कहा गया है कि इस्लामी जिहाद कम नहीं हुआ है, बल्कि इसने खुद को ढाल लिया है। इस रिपोर्ट में कट्टरपंथी इस्लामी समूहों को सिर्फ आतंकवादी संगठनों के रूप में नहीं, बल्कि हाइब्रिड युद्ध संरचनाओं के अभिन्न घटकों के रूप में बताया गया है। फिनलैंड की खुफिया एजेंसियों का कहना है कि ये नेटवर्क साइबर अपराध, प्रॉक्सी हिंसा, अस्वीकार्य असामयिक कार्य और राजनीतिक हेरफेर जैसी अवैध गतिविधियों में शामिल हैं। इस रिपोर्ट में पाकिस्तान को इस खतरनाक इकोसिस्टम के हब के रूप में पहचाना गया है। रिपोर्ट में तर्क दिया गया है कि खतरा सिर्फ छिटपुट आतंकवादी हमलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वैश्विक अस्थिरता का कारण भी बन सकती है। पाकिस्तान में पैदा होने और फलने-फूलने वाले आतंकी संगठनों का भले ही प्राथमिक लक्ष्य भारत हो, लेकिन इससे यूरोप और बाकी दुनिया अछूती नहीं है। फिनिश इंटेलिजेंस का आकलन है कि इन आतंकवादी समूहों का इस्तेमाल पाकिस्तानी हैंडलर्स भारत के खिलाफ अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए करते हैं।

ग्रोक AI ने कर दिया कांड, पीएम मोदी की पोस्ट का किया उल्टा ट्रांसलेशन, बना दिया इसे विवादित

एजेंसी नई दिल्ली

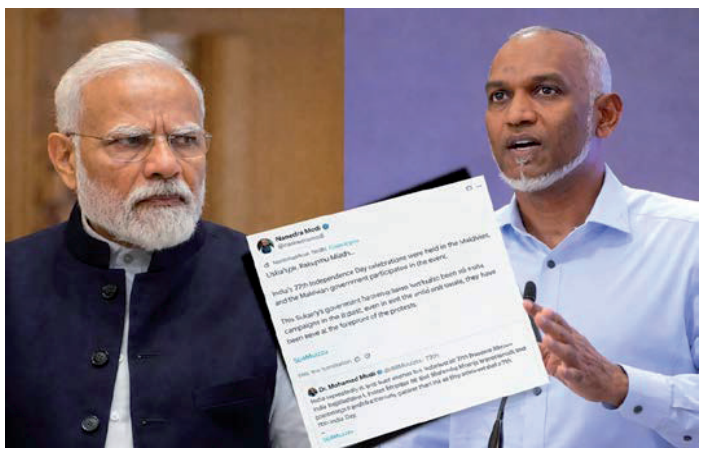

एक्स के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस असिस्टेंट ग्रोक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक राजनयिक पोस्ट का गलत ट्रांसलेशन करके बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के मौके पर दुनियाभर से बधाइयों का सिलसिला देखने को मिला। इसी क्रम में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भी भारत को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस संदेश का जवाब मालदीव की आधिकारिक भाषा दिवेही में दिया। मालदीव ने लिखा कि मैं भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आपको अपनी गर्मजोशी भरी शुभकामनाएं और बेस्ट विशेज देता हूं। हम दोनों देशों के लोगों के हित में मिलकर काम करना जारी रखेंगे। मैं मालदीव के सभी लोगों को समृद्धि और खुशी से भरे भविष्य की कामना करता हूं। भारत की तरफ से दिए गए जवाब में लिखा गया शुक्रिया, रायिथुन मजलिस। भारत के 77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह मालदीव में आयोजित हुए थे और मालदीव सरकार ने इसमें भाग लिया। ये शुक्रिया सरकार भी लोगों के एंटी-इंडिया कैंपेन में शामिल रही है। यहां तक कि दो एंटी-इंडिया कैंपेन में वो विरोध प्रदर्शनों में सबसे आगे रही हैं। ये ट्रांसलेशन न सिर्फ अर्थ में अलग था, बल्कि पूरी तरह से काल्पनिक और भड़काऊ है। पीएम मोदी के पोस्ट में एंटी-इंडिया जैसा कोई शब्द या संकेत नहीं था। इस अनुवाद को लेकर सोशल मीडिया यूज़र्स ने सवाल उठाए और इसे तथ्यों से परे और भ्रामक बताया।

संशोधित अनुवाद में लिखा थाः धन्यवाद, राष्ट्रपति मुइज़्ज़ू। भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर, मैं आपके द्वारा दी गई हार्दिक बधाई और शुभकामनाओं को आदरपूर्वक स्वीकार करता हूँ। हम दोनों देशों के नागरिकों के हित में मिलकर जो कार्य कर रहे हैं, उसे आगे बढ़ाते रहेंगे। मैं मालदीव के सभी नागरिकों के लिए सुखमय और समृद्ध भविष्य की कामना करता हूँ।

ग्रोक की इस चूक के बाद एआई आधारित ट्रांसलेशन टूल्स की विश्वसनीयता और संवेदनशील कूटनीतिक संवाद में उनकी भूमिका पर सवाल उठने लगे हैं। खासकर जब बात दो देशों के रिश्तों और आधिकारिक बयानों की हो, तब इस तरह की गलतियां भ्रम की स्थिति पैदा कर सकती हैं।

पाकिस्तान के लिए घाटे का सौदा निकली बांग्लादेश से दोस्ती, हुआ बड़ा नुकसान, भारत बना सहारा

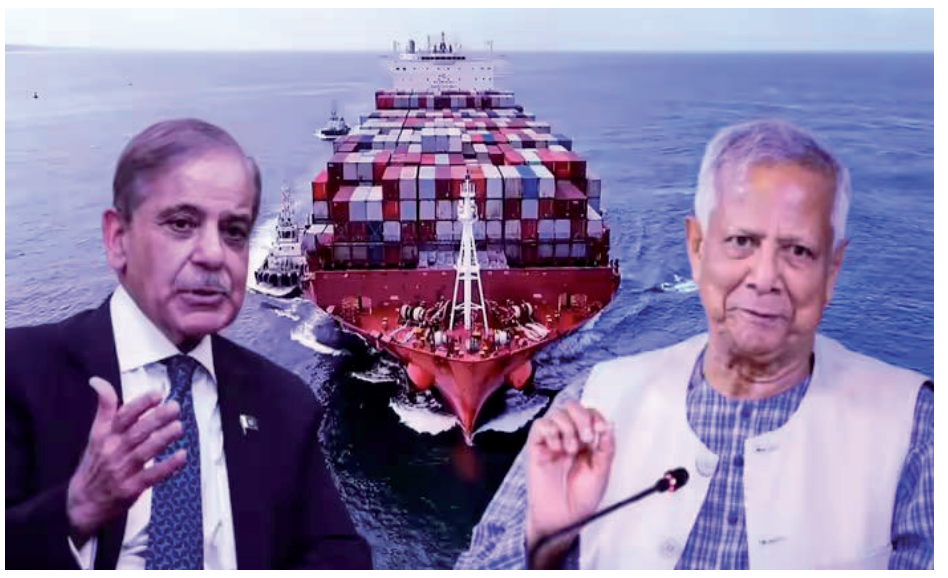

एजेंसी इस्लामाबाद

बांग्लादेश में जब अगस्त 2024 में शेख हसीना की सरकार का तख्तापलट हुआ तो उस समय सबसे ज्यादा खुश होने वालों में पाकिस्तान सबसे आगे था। यह खुशी यूं ही नहीं थी। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में आई अंतरिम सरकार ने पाकिस्तान के लिए बांग्लादेश के दरवाजे खोल दिए। पिछले 50 साल में जो नहीं हुआ था वो छह महीने में हो गया और बांग्लादेश बनने के बाद पहली बार ढाका और इस्लामाबाद के बीच सीधा समुद्री व्यापार शुरू हुआ। लेकिन एक साल के अंदर ही पाकिस्तान को बांग्लादेश से दोस्ती भारी पड़ने लगी है। बांग्लादेश से होने वाले व्यापार में पाकिस्तान को घाटा हो रहा है। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के पहले छह महीने (जुलाई-दिसम्बर) के आंकड़े जारी किए हैं। नवीनतम आंकड़ों को अनुसार, छह महीने में नौ पड़ोसी देशों के साथ पाकिस्तान का व्यापार घाटा बढ़कर 44.42% बढ़ गया है। अब यह 7.683 अरब डॉलर पर पहुंच गया है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 5.320 अरब डॉलर था गल्फ न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, व्यापार घाटे में यह बढ़ोतरी एक्सपोर्ट में निर्यात के कारण हुई थी। पाकिस्तान का पहले से ही अफगानिस्तान के साथ भारी तनाव चल रहा है। पिछले साल दोनों देशों के सशस्त्र बलों के जवान सीमा पर सीधे संघर्ष में उलझ चुके हैं, जिसे कतर और तुर्की की मध्यस्थता से शांत कराया जा सका। तनाव के बीच पाकिस्तान ने 10 अक्टूबर 2025 को अफगानिस्तान के साथ सभी तरह के व्यापार को बंद कर दिया था। इसका असर क्षेत्रीय ट्रेड फ्लो पर पड़ा है। पाकिस्तान को उम्मीद थी कि बांग्लादेश से उसकी नई दोस्ती व्यापार के नए अवसर खोलेगी लेकिन यहां भी उसे निराशा हाथ लगी है। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश को होने वाले पाकिस्तान के शिपमेंट में छमाही अवधि के दौरान नेगेटिव ग्रोथ दर्ज की गई है। ध्यान देने वाली बात है कि पाकिस्तान को अपने सदाबहार दोस्त से भी व्यापार कम हुआ है। इस दौरान सबसे खास बात है कि इस दौरान पाकिस्तान से भारत को होने वाले निर्यात में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मोहम्मद यूनुस के सत्ता में आने के बाद बांग्लादेश और पाकिस्तान के संबंध मजबूत हो रहे हैं। इनमें रक्षा संबंधों की मजबूती काफी अहम है। इसी महीने की शुरुआत में बांग्लादेश एयर फोर्स के चीफ हसन महमूद खान ने पाकिस्तान का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने अपने पाकिस्तान के अपने समकक्ष जहीर अहमद बाबर सिद्धू के अलावा आर्मी चीफ असीम मुनीर से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के दौरान पाकिस्तानी एयर चीफ ने बांग्लादेश को अपने JF-17 थंडर फाइटर जेट्स का ऑफर दिया था। जेएफ-17 एक मल्टी-रोल कॉम्बैट फाइटर जेट है जिसे पाकिस्तान ने चीन के साथ मिलकर तैयार किया है।

तुर्की और पाकिस्तान खाड़ी देशों की ताकत को कैसे कमजोर कर रहे, मौके का ऐसे उठा रहे फायदा

एजेंसी दुबई

फूट डालो और राज करो। तुर्की और पाकिस्तान मध्य पूर्व में कुछ ऐसी ही रणनीति पर चल रहे हैं। ये दोनों देश मध्य पूर्व में जारी क्षेत्रीय टकराव का फायदा उठा रहे हैं। इसके जरिए दोनों देशों ने मध्य पूर्व में अपने दबदबे को बढ़ाया है। पाकिस्तान का सऊदी अरब के साथ रक्षा समझौता इसी का एक उदाहरण है। तुर्की ने भी सऊदी अरब के साथ कई बड़े रक्षा संबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं। तुर्की संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पर भी डोरे डाल रहा है। पाकिस्तान भी इस कोशिश में शामिल है। दोनों देशों की कोशिश मध्य पूर्व में अशांति को बढ़ावा देकर मौके का फायदा उठाने की है। पाकिस्तान खाड़ी देशों में जारी तनाव का फायदा उठाने की पूरी कोशिश कर रहा है। वह न सिर्फ कूटनीतिक बातचीत में शामिल होना चाहता है, बल्कि संघर्ष में शामिल देशों को हथियारों का भी ऑफर दे रहा है। इसी कड़ी में पाकिस्तान ने सऊदी अरब को कर्ज के बदले जेएफ-17 लड़ाकू विमान का ऑफर दिया था। पाकिस्तानी नेतृत्व सऊदी के साथ रक्षा समझौता होने के बाद अब संयुक्त अरब अमीरात पर भी डोरे डाल रहा है। लगातार पाकिस्तानी शीर्ष राजनेता और अधिकारी यूएई का दौरा कर रहे हैं। टॉप इंटेलिजेंस सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि तुर्की सऊदी अरब और यूएई से सीधे टकराव के बजाए क्षेत्रीय कमजोरियों का फायदा उठाकर खाड़ी देशों में अपने दबदबे को बढ़ा रहा है। तुर्की इसके लिए पाकिस्तान से सहयोग भी ले रहा है। रिपोर्ट में इंटेलिजेंस के हवाले से बताया गया है कि तुर्की को बाब-अल-मंडेब जलडमरूमध्य के आसपास लंबे समय से चली आ रही अस्थिरता से चुपचाप फायदा हुआ है। बाब-अल-मंडेब जलडमरूमध्य एक महत्वपूर्ण समुद्री चोकपॉइंट है, जिससे अनुमानित 12-15 प्रतिशत वैश्विक व्यापार और यूरोप जाने वाले लगभग 30 प्रतिशत कंटेनर ट्रैफिक गुजरता है। इस गलियारे में किसी भी रुकावट से सऊदी और अमीराती बंदरगाहों पर बहुत बुरा असर पड़ सकता है। खासकर जेबेल अली और फुजैराह जैसे बंदरगाहों के पूरी तरह ठप होने का खतरा है। तुर्की यमन में हूती विद्रोहियों का समर्थन नहीं करता है। इसके बजाए वह मिस्र के मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़े यमनी गुटों के संपर्क में है। इससे वह सऊदी अरब समर्थित राजनीतिक ढांचों को कमजोर कर रहा है। तुर्की ने ऐसी ही रणनीति लीबिया और सूडान में आजमायी थी, जहां उसने अपने सैनिकों को तैनात किए बिना सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के प्रभाव को कम करने के लिए राजनीतिक इस्लामी समूहों का समर्थन किया था।

भारत-EU की मदर ऑफ ऑल डील्स से डोनाल्ड ट्रंप का भड़कना तय, जानें क्यों `डैडी' को नहीं आएगी पसंद

एजेंसी वॉशिंगटन

भारत और यूरोपियन यूनियन (EU) ने मंगलवार को मदर ऑफ ऑल डील्स की घोषणा की है। इस समझौते पर दुनिया की नजर है लेकिन खासतौर से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह पसंद नहीं आएगा। इसकी वजह ट्रंप प्रशासन की हालिया महीनों में भारत और यूरोप पर दबाव बनाने की कोशिश की है, जिसमें उन्होंने व्यापार को हथियार बनाया। ग्रीनलैंड के मुद्दे पर ट्रंप ने लगातार यूरोप को धमकियां दी हैं तो भारत को 50 फीसदी टैरिफ लगाकर दबाने की कोशिश है। इन दोनों दोनों पक्षों ने अब एक-दूसरे के साथ बड़ा समझौता किया है। डोनाल्ड ट्रंप जिन दो ताकतों यानी भारत और यूरोप को किनारे लगाने की कोशिश में थे, उनके बीच महत्वपूर्ण ट्रेड डील साइन होना निश्चित रूप से उन्हें चुभेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति इसे खुली चुनौती के तौर पर देखेंगे क्योंकि भारत-अमेरिका की ट्रेड डील अटकी हुई है। दूसरी ओर ईयू ने भी अमेरिका के साथ अपनी ट्रेड डील की मंजूरी रोक दी है। ईयू और भारत ने एक तरह से ट्रंप के दबाव में ना झुकते हुए चुनौती देने का काम किया है। पिछले साल नाटो चीफ ने डोनाल्ड ट्रंप को 'डैडी' उपनाम दिया था। इसके बाद ये यह ट्रंप को एक प्रभावशाली तानाशाह के रूप में पेश करने का शॉर्टहैंड बन गया है, जिसे विरोधियों और सहयोगियों दोनों को कंट्रोल करना पसंद है। भारत-ईयू ट्रेड डील ने 'डैडी' को परेशान कर दिया है। यह परेशानी उनके ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट के बयान में साफ झलकती है, जिसमें उन्होंने यूरोप को धोखेबाज तक कह दिया है। इंडिया-ईयू की लंबे समय से अटकी ट्रेड डील के फाइनल होने में डोनाल्ड ट्रंप के रुख को भी कुछ एक्सपर्ट अहम मान रहे हैं। अमेरिका ने भारत पर 50% टैरिफ लगाए, जिससे संबंधों में तनाव आया। दूसरी ओर ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर कब्जे की कोशिश का विरोध करने पर यूरोपीय देशों के खिलाफ भी टैरिफ का सहारा लेने की कोशिश की। इससे यूरोप में अमेरिका के खिलाफ नाराजगी बढ़ी और वह भारत के करीब आया।

आईसीसी टी20 रैंकिंग्स में अभिषेक शर्मा ने नंबर 1 पर और मजबूत की पकड़, सूर्यकुमार यादव की टॉप 10 में एंट्री

बुधवार यानी 28 जनवरी को आईसीसी की लेटेस्ट रैंकिंग्स की अनाउंसमेंट हुई है। भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा अब भी टॉप पर बरकरार हैं जबकि सूर्यकुमार यादव ने भी छलांग लगाई है।

नई दिल्ली, एजेंसी | आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 शुरू होने से पहले टीम इंडिया के स्टार ओपनर अभिषेक शर्मा और कप्तान सूर्यकुमार यादव जबरदस्त फॉर्म में चल रहे हैं। दोनों ही न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही मौजूदा टी20 सीरीज में कीवी गेंदबाजों की जमकर धुनाई कर रहे हैं। इसका असर आईसीसी टी20 रैंकिंग्स पर भी पड़ा है। आज यानी बुधवार (28 जनवरी) को आईसीसी की लेटेस्ट टी20 रैंकिंग्स जारी हुई हैं।

टॉप पर बरकरार अभिषेक शर्मा

आईसीसी टी20 रैंकिंग्स में अभिषेक शर्मा टॉप पर बने हुए हैं। उनके 929 रेटिंग पॉइंट्स हो गए हैं, जो उनके करियर के सर्वश्रेष्ठ रेटिंग पॉइंट्स (931) से सिर्फ 2 कम है। अभिषेक का बल्ला जमकर बोल रहा है। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 में 84 तो तीसरे टी20 में 68 रन की नाबाद पारी खेली थी। दोनों मैचों में उन्होंने तूफानी बल्लेबाजी की थी।

आईसीसी टी20 लेटेस्ट रैंकिंग्स में दूसरे नंबर पर इंग्लैंड के फिल साल्ट हैं, जिनके 849 रेटिंग अंक हैं। इसके बाद तीसरे पर तिलक वर्मा (781 रेटिंग पॉइंट्स), चौथे पर जोस बटलर (770 रेटिंग पॉइंट्स) और पांचवें पर साहिबजादा फरहान (763 रेटिंग पॉइंट्स) हैं।

टॉप 10 में सूर्यकुमार यादव की हुई वापसी

भारत की टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव लंबे समय से खराब फॉर्म में चल रहे थे। हालांकि, न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने फॉर्म में वापसी की और शानदार बैटिंग की। यह भारत के लिए आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिहाज से अच्छे संकेत हैं। इसी के साथ सूर्यकुमार यादव की टॉप 10 में भी वापसी हो गई है। वह टी20 रैंकिंग्स में 12वें स्थान पर थे। हालांकि, इस बार उन्होंने 5 पायदान की छलांग लगाई है। अब वह 7वें नंबर पर आ गए हैं। उनके 717 रेटिंग पॉइंट्स हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में सूर्यकुमार यादव ने नाबाद 82 तो तीसरे टी20 में नाबाद 57 रन बनाए।

भारतीय अंडर-17 पुरुष फुटबॉल टीम ताजिकिस्तान के खिलाफ दो मैत्री मैच खेलेगी

नई दिल्ली, एजेंसी | भारतीय अंडर-17 पुरुष फुटबॉल टीम बृहस्पतिवार को यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में ताजिकिस्तान के खिलाफ दो मैत्री मैच की श्रृंखला का पहला मुकाबला खेलेगी।

मुख्य कोच बिबियानो फर्नांडिस ने बुधवार को 25 सदस्यीय टीम की घोषणा की। इस दोनों मैचों में दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

भारतीय टीम इस साल की शुरुआत से ही एएफसी अंडर-17 एशियाई कप सऊदी अरब 2026 की तैयारियों के तहत गोवा में अभ्यास कर रही है।

भारत ने पिछले साल नवंबर में अहमदाबाद में खेले गए क्वालीफायर में ईरान, लेबनान, फिलिस्तीन और चीनी ताइपे से ऊपर रहते हुए इतिहास में 10वीं बार इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया।

भारत को 12 फरवरी को होने वाले ड्रॉ के बाद ग्रुप चरण के अपने प्रतिद्वंद्वियों की जानकारी मिलेगी।

ताजिकिस्तान ने फीफा अंडर-17 विश्व कप 2025 के लिए क्वालीफाई करने के कारण स्वतः ही एएफसी अंडर-17 एशियाई कप में जगह बनाई है।

गोवा में ताजिकिस्तान के खिलाफ मैत्री मैचों के लिए भारत अंडर-17 पुरुष टीमः

गोलकीपरः आलोक निषाद, मनशज्योति बरुआह, राजरूप सरकार।

डिफेंडरः अभिषेक कुमार मंडल, अंकुर राजभर, इंद्र राणा मगर, कोरोउ मेइती कोंथौजम, लॉमसांगजुआला, मो. ऐमान बिन, मूसा आशिक सोफी, शुभम पूनिया।

मिडफील्डरः डल्लालमुओन गांगते, डेनी सिंह वांगखेम, डायमंड सिंह थोकचोम, मुकुंदो सिंह निंगथौजम, नितीशकुमार मेइती येंगखोम।

न्यूजीलैंड ने जीता चौथा टी20, शिवम दुबे की 15 बॉल की फिफ्टी नहीं आई काम, अभिषेक-हार्दिक-सूर्या सब फ्लॉप

न्यूजीलैंड ने चौथे टी20 मैच में भारत को 50 रनों से हरा दिया है. शिवम दुबे ने इस मैच में टीम इंडिया के लिए 15 गेंद में अर्धशतक लगाया.

नई दिल्ली, एजेंसी | न्यूजीलैंड ने चौथे टी20 मैच में भारत को 50 रनों से हरा दिया है. ये मैच विशाखापट्टनम में खेला गया, जिसमें टीम इंडिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी. न्यूजीलैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 215 रनों का स्कोर खड़ा कर दिया था. इसके जवाब में टीम इंडिया 165 के स्कोर पर ऑलआउट हो गई.

216 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया की शुरुआत ही बहुत खराब रही. पारी की पहली ही गेंद पर अभिषेक शर्मा आउट हो गए थे. संजू सैमसन पर इस मैच में सबकी नजरें टिकी थीं, उन्हें शुरुआत भी मिली, लेकिन न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने उन्हें 24 के स्कोर पर क्लीन बोल्ड कर दिया.

इस बार रिंकू सिंह, जो आमतौर पर छठे और सातवें क्रम पर बैटिंग करने आते हैं. इस बार उन्हें नंबर-4 पर प्रमोट किया गया. रिंकू सिंह ने 30 गेंद में 39 रनों की सधी हुई पारी खेली. मगर उनकी 130 के औसत स्ट्राइक रेट से खेली गई पारी टीम इंडिया को जीत दिलाने में नाकाफी साबित हुई.

शिवम दुबे की फिफ्टी नहीं आई काम

भारतीय टीम 63 रन के स्कोर तक 4 विकेट खो चुकी थी. इस समय शिवम दुबे बैटिंग करने आए, जिन्होंने ताबड़तोड़ अंदाज में शॉट्स लगाने शुरू किए और 15 गेंद में फिफ्टी लगाकर इतिहास रच डाला. वो अंतर्राष्ट्रीय टी20 क्रिकेट इतिहास में भारत के लिए तीसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बने. अभिषेक शर्मा और युवराज सिंह उनसे आगे हैं. दुबे ने 23 गेंद में 65 रनों की तूफानी पारी खेली.

न्यूजीलैंड के लिए खासतौर पर कप्तान मिचेल सैंटनर ने मैच का रुख अपनी टीम की तरफ पलटने का काम किया. उन्होंने 4 ओवरों में सिर्फ 26 रन देकर 3 विकेट लिए. सैंटनर ने संजू सैमसन, हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह का विकेट लिया. चार मैचों के बाद इस सीरीज में अब टीम इंडिया 3-1 से आगे चल रही है.

सिनर खिताबी हैट्रिक से दो जीत दूर, जोकोविच भाग्य के सहारे सेमीफाइनल में

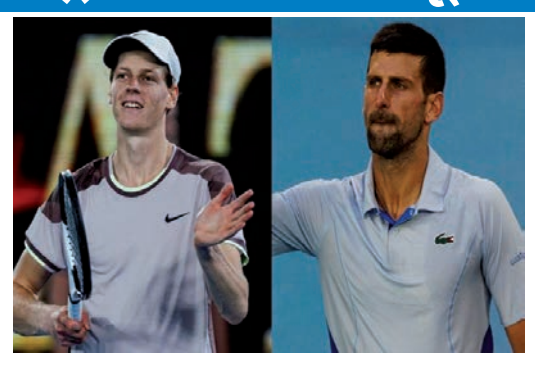

नई दिल्ली, एजेंसी | विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी और पिछले दो बार के चैंपियन यानिक सिनर ने बुधवार को यहां सीधे सेटों में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जबकि रिकॉर्ड 10 बार के विजेता नोवाक जोकोविच भाग्य के सहारे अंतिम चार में जगह बनाने में सफल रहे।

जोकोविच पहले दो सेट हार गए थे और वह घर वापस लौट के बारे में सोचने लग गए थे लेकिन तभी भाग्य ने पलटी खाई क्योंकि पांचवीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेटी चोट के कारण टूर्नामेंट से हट गए।

सिनर ने एक अन्य मैच में अमेरिका के आठवीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन को दो घंटे 23 मिनट तक चले मैच में 6-3, 6-4, 6-4 से पराजित किया। वह लगातार तीसरी बार खिताब जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल होने से केवल दो जीत दूर हैं। जोकोविच दो बार यह कारनामा कर चुके हैं।

सिनर को सेमीफाइनल में अधिक तरोताजा जोकोविच का सामना करना है जिन्हें चौथे दौर में वाकओवर मिला था।

पुरुष वर्ग का अन्य सेमीफाइनल विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज और तीसरे वरीय अलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच खेला जाएगा।

महिला वर्ग में पांचवीं वरीयता प्राप्त एलिना रयबाकिना और छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां उनका आमना सामना होगा।

रयबाकिना ने विश्व में दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियातेक को 7-5, 6-1 से जबकि छठी वरीय पेगुला ने हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी और यहां चौथी वरीयता प्राप्त अमांडा अनिसिमोवा को 6-1, 7-6 (6-1) से हराया।

मुसेटी ने जोकोविच के खिलाफ पहले दो सेट 6-4, 6-3 से जीते। उन्होंने तीसरे सेट के तीसरे गेम में अपने दाहिने पांव के ऊपरी हिस्से में चोट लगने के कारण मेडिकल टाइमआउट लिया। इसके बाद उन्होंने एक और गेम खेला, लेकिन फिर आगे नहीं खेल सके।

जब मुसेटी ने मैच से हटने का फैसला किया तब जोकोविच तीसरे सेट में 3-1 से आगे चल रहे। इस तरह से 38 वर्षीय जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना 11वां खिताब और कुल 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद जारी रखी, लेकिन उनका कहना है कि इस बार वे भाग्यशाली रहे।

जोकोविच ने कहा, ''मुझे उसके लिए बहुत दुख हो रहा है। वह आज मुझसे कहीं बेहतर प्रदर्शन कर रहा था। आज के दिन मेरी छुट्टी होने वाली थी। खेल में इस तरह की चीजें होती रहती हैं। मेरे साथ भी ऐसा हुआ है।''

पांचवें गेम में डबल फॉल्ट करने के बाद जोकोविच को ब्रेकप्वाइंट का एक और मौका मिला। मुसेटी ने अपने चेहरे पर हाथ फेरा, वह नेट की ओर गए और फिर अपना हेडबैंड उतार दिया। उन्होंने जोकोविच से हाथ मिलाया और कोर्ट से बाहर चले गए।

पिछले साल फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में भी मुसेटी बाएं पैर की चोट के कारण मैच से हट गए थे। तब उन्होंने आखिर में चैंपियन बने कार्लोस अल्काराज से एक सेट जीत लिया था।

टी20 विश्व कप 2026 पर अनिल कुंबले की भविष्यवाणी, टीम इंडिया के पास इतिहास रचने का शानदार मौका

नई दिल्ली, एजेंसी | दिग्गज क्रिकेटर और पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले ने कहा कि सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम के पास 7 फरवरी से शुरू होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में घरेलू मैदान पर अपने खिताब का बचाव करने का शानदार मौका है। जियोहॉटस्टार के 'आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप भारत और श्रीलंका 2026 के लिए टीम इंडिया की योजना' कार्यक्रम में बोलते हुए, जियोस्टार विशेषज्ञ कुंबले का मानना है कि भारत निश्चित रूप से सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेगा और भारतीय टीम के पास अपने खिताब का बचाव करने और इतिहास रचने का बेहतरीन मौका है।

कुंबले ने कहा कि मुझे लगता है कि जब विश्व कप की बात आती है, तो लगातार दो खिताब जीतना आसान नहीं होता, खासकर टी20 प्रारूप में। कोई भी टीम अपने खिताब का बचाव करने में सक्षम नहीं रही है, जो भारत के लिए ऐसा करने का एक शानदार अवसर प्रस्तुत करता है।

मुझे पूरा विश्वास है कि टीम जिस तरह की फॉर्म में है और खिलाड़ियों की मजबूती को देखते हुए, भारत किसी भी परिस्थिति का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। भारत को निश्चित रूप से सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करना चाहिए।

व्यापार

सस्ता होम लोन, टैक्स पर छूट... बजट 2026 से रियल एस्टेट सेक्टर को बड़ी राहत की उम्मीद

देश का रियल एस्टेट उद्योग सरकार से ऐसे नीतिगत फैसलों की उम्मीद कर रहा है, जो घर खरीदारों का भरोसा और मजबूत करें और डेवलपर्स को स्थिर विकास का रास्ता दें.

नई दिल्ली, एजेंसी | केंद्रीय बजट 2026 को लेकर रियल एस्टेट सेक्टर में इस बार खासा उत्साह है. बीते कुछ सालों में जहां एक तरफ घरों की मांग में सुधार देखने को मिला, वहीं दूसरी ओर बढ़ती ब्याज दरों, निर्माण लागत और महंगाई ने सेक्टर पर दबाव भी बनाया. ऐसे में अब रियल एस्टेट उद्योग सरकार से ऐसे नीतिगत फैसलों की उम्मीद कर रहा है, जो घर खरीदारों का भरोसा और मजबूत करें और डेवलपर्स को स्थिर विकास का रास्ता दें.

सेक्टर की सबसे बड़ी मांगों में होम लोन पर टैक्स छूट बढ़ाना, अफोर्डेबल हाउसिंग को दोबारा प्राथमिकता देना, इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च बढ़ाना, टैक्स स्ट्रक्चर को सरल बनाना, निर्माण पर जीएसटी कम करना और आवास को आवश्यक बुनियादी ढांचा मानना शामिल है.

होम लोन पर टैक्स छूट बढ़े, तो बढ़ेगी खरीदारी - रियल एस्टेट एक्सपर्ट्स का मानना है कि आज भी मिडिल क्लास के लिए सबसे बड़ी चुनौती होम लोन की ईएमआई है. अगर बजट 2026 में होम लोन पर ब्याज और प्रिंसिपल में टैक्स छूट की सीमा बढ़ाई जाती है, तो बड़ी संख्या में एंड यूजर बाजार में लौट सकते हैं.

काउंटी ग्रुप के डायरेक्टर अमित मोदी का कहना है कि रियल एस्टेट सेक्टर देश की अर्थव्यवस्था का एक मजबूत आधार है और जीडीपी में बड़ा योगदान देता है. बजट 2026 से सेक्टर को उम्मीद है कि सरकार पुरानी मांगों पर ध्यान देगी और सब्सिडी की बजाय साफ और स्थिर नीतियों पर फोकस करेगी. पिछले दो सालों में 2 करोड़ से ऊपर के घरों की मांग बनी हुई है, जहां खरीदार घरों को खर्च नहीं बल्कि लंबे समय का निवेश मान रहे हैं. अब सेक्टर को टैक्स व्यवस्था, खासकर कैपिटल गेन और इंडेक्सेशन को लेकर स्पष्टता चाहिए. नियमों में स्थिरता से डेवलपर्स बेहतर और बड़े प्रोजेक्ट्स की योजना बना पाएंगे. बजट 2026 के पास मौका है कि वह भारत के लग्जरी हाउसिंग मार्केट को एक भरोसेमंद निवेश विकल्प के रूप में और मजबूत करे.

इंफ्रास्ट्रक्चर खर्च से बदलेगी रियल एस्टेट की तस्वीर - पिछले कुछ सालों में एक्सप्रेसवे, मेट्रो और एयरपोर्ट जैसे प्रोजेक्ट्स ने रियल एस्टेट की दिशा बदली है. सेक्टर को उम्मीद है कि बजट 2026 में इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च और बढ़ेगा. मिगसन ग्रुप के एमडी यश मिगलानी कहते हैं हाउसिंग सेक्टर ने हाल के सालों में अपनी मजबूती दिखाई है, लेकिन आगे की ग्रोथ नीतियों पर निर्भर करेगी.

बजट 2026 से उम्मीद है कि टैक्स डिडक्शन की सीमा बढ़े और आय की शर्तें मौजूदा घरों की कीमतों के हिसाब से तय हों, ताकि घर खरीदना आसान हो सके. ब्याज दरों पर सकारात्मक संकेत खरीदारों का भरोसा बनाए रखेंगे. साथ ही, सिंगल-विंडो क्लीयरेंस और इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश से प्रोजेक्ट समय पर पूरे होंगे और नए हाउसिंग एरिया विकसित होंगे.

टैक्स और ड्यूटी कम हुई, तो बढ़ेगा भरोसा - स्टांप ड्यूटी और जीएसटी को लेकर भी सेक्टर में लंबे समय से राहत की मांग की जा रही है. डेवलपर्स का मानना है कि ट्रांजैक्शन कॉस्ट कम होने से बाजार में रफ्तार आएगी.

एसकेए ग्रुप के डायरेक्टर, संजय शर्मा का कहना है रियल एस्टेट सेक्टर को यूनियन बजट 2026 से ऐसे कदमों की उम्मीद है, जिससे घर खरीदना ज्यादा किफायती हो सके। स्टांप ड्यूटी को तर्कसंगत बनाने और टैक्स प्रक्रिया को सरल करने से घर खरीदारों पर बोझ कम होगा और फैसले जल्दी हो सकेंगे। होम लोन से जुड़े प्रोत्साहन जारी रहने से मांग बढ़ेगी और हाउसिंग सेक्टर में स्थिर विकास को मजबूती मिलेगी।

वर्क-फ्रॉम-होम और हाइब्रिड मॉडल के चलते कमर्शियल और रेंटल हाउसिंग सेगमेंट में बदलाव देखने को मिल रहा है. डेवलपर्स चाहते हैं कि बजट में इन दोनों सेगमेंट्स के लिए भी स्पष्ट नीति आए.

ग्रुप 108 के मैनेजिंग डायरेक्टर संचित भूटानी का कहना है कि कमर्शियल रियल एस्टेट अब स्थिर और मजबूत विकास के दौर में है. ऑफिस और रिटेल दोनों सेगमेंट में अब संख्या से ज्यादा सही और गुणवत्ता वाली मांग पर ध्यान दिया जा रहा है.

भारतीय बाजार हरे निशान पर हुआ बंद; सेंसेक्स 487 अंक उछला, निफ्टी 25300 के पार

नई दिल्ली, एजेंसी | भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 487.20 अंक उछलकर 82,344.68 अंक पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 167.35 अंक की बढ़त के साथ 25,342.75 पर बंद हुआ। भारत-यूरोपीय संघ के ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते को लेकर आशावाद के चलते बुधवार को शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी पिछले दिन की तेजी को जारी रखते हुए उच्च स्तर पर बंद हुए। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 487.20 अंक या 0.60 प्रतिशत बढ़कर 82,344.68 पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसमें 646.49 अंक या 0.78 प्रतिशत की तेजी आई और यह 82,503.97 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 167.35 अंक या 0.66 प्रतिशत बढ़कर 25,342.75 पर बंद हुआ। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 11 पैसे गिरकर 91.79 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के दिसंबर तिमाही के नतीजों के बाद उसके शेयरों में लगभग 9 प्रतिशत की तेजी आई। एटरनल, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा और अल्ट्राटेक सीमेंट अन्य प्रमुख लाभ कमाने वाली कंपनियां थीं। अन्य पिछड़ने वाली कंपनियों में मारुति, सन फार्मा, इंफोसिस और भारती एयरटेल शामिल थीं।

हालांकि, एशियन पेंट्स के शेयरों में 4 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, क्योंकि कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 की दिसंबर तिमाही के लिए अपने समेकित शुद्ध लाभ में साल-दर-साल आधार पर 4.83 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की, जो कि 1,073.92 करोड़ रुपये रहा। यह गिरावट नए श्रम संहिता के कार्यान्वयन और एक सहायक कंपनी में हुए नुकसान के मूल्यह्रास जैसी असाधारण मदों के कारण हुई।

भारत-यूरोपीय संघ के बीच हुआ मुक्त व्यापार समझौता - भारत और यूरोपीय संघ ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसे मदर ऑफ ऑल डील्स कहा जा रहा है। इसका उद्देश्य दो अरब लोगों का बाजार तैयार करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व ने नियम-आधारित विश्व व्यवस्था की रक्षा के लिए व्यापार और रक्षा का बड़े पैमाने पर लाभ उठाने हेतु एक परिवर्तनकारी पांच वर्षीय एजेंडा का अनावरण किया।

अधिकारियों के अनुसार, मुक्त व्यापार समझौता, जो वैश्विक जीडीपी के लगभग एक चौथाई हिस्से के लिए जिम्मेदार होगा, यूरोपीय संघ को होने वाले भारतीय निर्यात के 99 प्रतिशत पर टैरिफ कम करेगा और यूरोपीय संघ से भारत को होने वाले निर्यात के 97 प्रतिशत से अधिक पर शुल्क में कटौती करेगा।

ऑनलाइन ट्रेडिंग और वेल्थ टेक फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि भारतीय शेयर बाजार वैश्विक संकेतों में सुधार और भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते के सफल समापन के बाद बाहरी व्यापार के मोर्चे पर नए सिरे से आशावाद के समर्थन से सकारात्मक नोट पर सत्र का समापन हुआ।

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक उच्च स्तर पर बंद हुए। यूरोप के शेयर बाजारों में गिरावट देखी गई। मंगलवार को अमेरिकी बाजार अधिकतर बढ़त के साथ बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 67.25 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा - वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत में 0.62 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 67.25 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

क्या बड़ी छटनी तैयरी कर रही अमेजन? 16000 कर्मचारियों पर खतरा, गलती से भेजे गए एक मेल से खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी | टेक दिग्गज अमेजन एक बार फिर बड़े पैमाने पर छंटनी की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी जल्द ही अलग-अलग विभागों और क्षेत्रों में करीब 16,000 कर्मचारियों की नौकरियां खत्म कर सकती है। इसी बीच एक लीक ईमेल ने इस योजना की पुष्टि के संकेत दिए हैं।

मंगलवार को अमेजन वेब सर्विसेज (AWS) के कुछ कर्मचारियों को प्रोजेक्ट डॉन ईमेल भेजें शीर्षक वाला एक ईमेल मिला। इस ईमेल के साथ एक कैलेंडर इनवाइट भी भेजा गया था, जिसमें सभी प्राप्तकर्ताओं को एक कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया था।

हालांकि, माना जा रहा है कि यह ईमेल समय से पहले गलती से भेज दिया गया था। कुछ ही समय बाद उस कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया, जिससे कंपनी की संभावित छंटनी योजना को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

दक्षिण एशिया में एविएशन सेक्टर की लंबी उड़ानः 2044 तक चाहिए 3300 नए विमान, जानिए बोइंग के आउटलुक में क्या ?

नई दिल्ली, एजेंसी | भारत और दक्षिण एशिया का विमानन क्षेत्र आने वाले दो दशकों में दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता हुआ बाजार बनने वाला है। अमेरिकी विमान निर्माता कंपनी बोइंग ने अनुमान लगाया है कि बढ़ते एयर ट्रैफिक को संभालने के लिए 2044 तक भारत और दक्षिण एशिया को करीब 3,300 नए विमानों की जरूरत होगी।

हैदराबाद में आयोजित चार दिवसीय 'विंग्स इंडिया 2026' समिट के दौरान बोइंग ने अपना 'कमर्शियल मार्केट आउटलुक' पेश किया। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर (यूरेशिया और भारतीय उपमहाद्वीप) अश्विन नायडू ने बताया कि भारत एक 'ग्रोथ मार्केट' है और अगले 20 वर्षों में यहां विमानों का बेड़ा चार गुना बढ़ जाएगा।

1. छोटे विमानों की सबसे ज्यादा मांग - कुल 3,300 नए विमानों में से करीब 90% हिस्सेदारी यानी 2,875 विमान 'सिंगल-आइल' या नैरो-बॉडी जेट्स की होगी। वहीं, 395 विमान वाइड-बॉडी (बड़े आकार) के होंगे।

2. रोजगार की बहारविमानों की संख्या बढ़ने के साथ ही स्किल्ड स्टाफ की भारी मांग होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, अगले 20 वर्षों में क्षेत्र को 45,000 पायलट, 45,000 टेक्नीशियन और 51,000 केबिन क्रू सदस्यों की आवश्यकता होगी।

3. ट्रैफिक में 7% की सालाना बढ़ोतरी - बढ़ते मिडिल क्लास और मजबूत होती इकोनॉमी के कारण भारत और दक्षिण एशिया में हवाई यात्रियों की संख्या में सालाना औसतन 7% की वृद्धि देखी जाएगी।

4. 195 अरब डॉलर का सर्विस बाजार - सिर्फ विमान ही नहीं, बल्कि मेंटेनेंस, रिपेयर और ट्रेनिंग जैसी एविएशन सेवाओं में भी 195 बिलियन डॉलर से अधिक के निवेश की जरूरत होगी।

5. कार्गो और ई-कॉमर्स - भारत में मैन्युफैक्चरिंग और ई-कॉमर्स के विस्तार से एयर कार्गो (माल ढुलाई) बाजार को बढ़ावा मिलेगा। अगले दो दशकों में मालवाहक विमानों का बेड़ा अपने मौजूदा आकार से पांच गुना बड़ा हो जाएगा। बोइंग का कहना है कि वाइड-बॉडी विमानों की संख्या तीन गुना होने से भारतीय यात्री अब सीधे मिडिल ईस्ट, यूरोप और नॉर्थ अमेरिका जैसे अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए उड़ान भर सकेंगे।

एक हफ्ते के लिए करण जौहर करेंगे डिजिटल डिटॉक्स

फिल्ममेकर करण जौहर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं. वो आए दिन कुछ न कुछ शेयर करते रहते हैं. कभी कोई वीडियो तो कभी कुछ और. फैंस भी उनके पोस्ट का इंतजार करते हैं. मगर अब फैंस को करण के पोस्ट के लिए 1 हफ्ते का इंतजार करना पड़ेगा. करण जौहर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके बताया है कि वो डिजिटल डिटॉक्स कर रहे हैं. वो सोशल मीडिया से अब दूरी बनाने वाले हैं. करण जौहर का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है. करण के साथ फैंस को भी लग रहा है ये काम उनके लिए थोड़ा मुश्किल होने वाला है. करण ने अपने पोस्ट में खुद लिखा है कि यूनिवर्स उन्हें ये करने की हिम्मत दे.करण जौहर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है. जिसमें उन्होंने लिखा- एक हफ्ते के लिए डिजिटल डिटॉक्स. नो डीएम, नो पोस्ट. यूनिवर्स मुझे ये करने की ताकत दे. करण जौहर ने ये डिजिटल डिटॉक्स के पोस्ट से पहले आलिया भट्ट का राजी फिल्म का वीडियो शेयर करके फैंस को रिपब्लिक डे विश किया था.करण जौहर को जो भी फिल्म पसंद आती है वो उसकी सोशल मीडिया पर जरुर तारीफ करते हैं. रणवीर सिंह की धुरंधर के बाद उन्होंने सनी देओल की बॉर्डर 2 की तारीफ में पोस्ट शेयर किया है. उन्होंने लिखा-हाल ही में लगातार दो मेगा हिंदी फिल्मों की जबरदस्त सफलता यह साबित करती है... बॉलीवुड (हां, यह गलत शब्द है लेकिन यह यहीं रहेगा) वापस आ गया है. सभी धुरंधर एक्सीलेंस के बॉर्डर को पार करेंगे जब फिल्म देखने वाली ऑडियंस के साथ इमोशनल कनेक्शन बनाएगी.वर्कफ्रंट की बात करें तो करण जौहर ने हाल ही में अपनी खास दोस्त रानी मुखर्जी के साथ एक स्पेशल सेशन होस्ट किया था. जिसमें उन्होंने रानी के इंडस्ट्री में 30 साल पूरे होने का जश्न मनाया था.

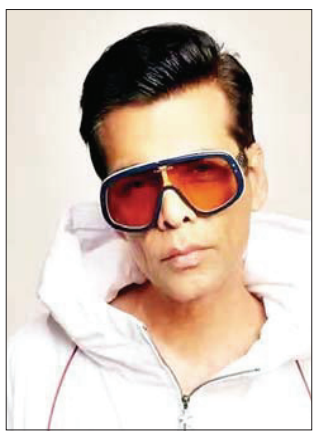

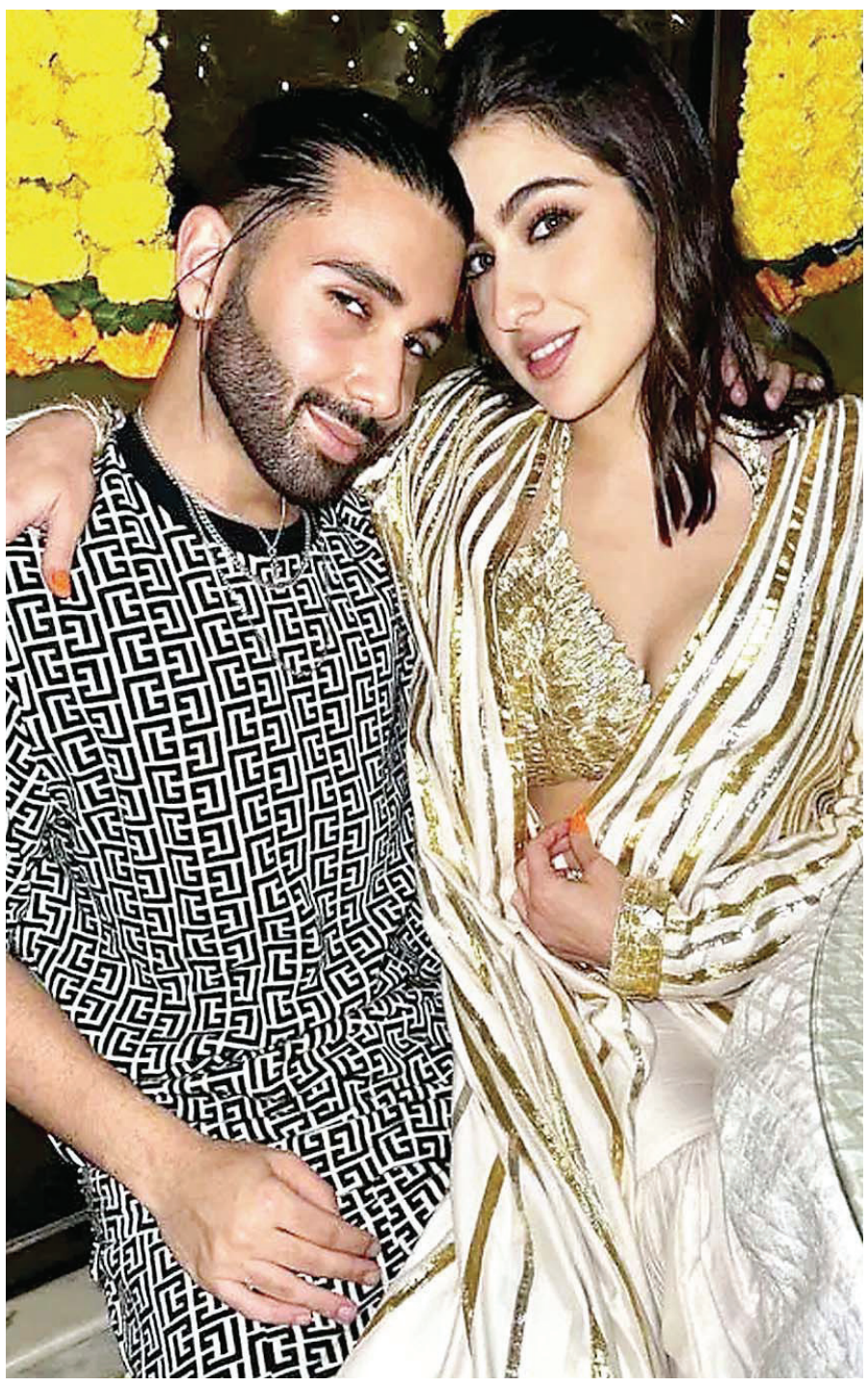

ओरी संग कॉन्ट्रोवर्सी के बीच सारा ने तोड़ी चुप्पी

इंफ्लुएंसर और सोशल मीडिया पर्सनालिटी ओरी का सारा अली खान के साथ हमेशा से काफी अच्छा कनेक्शन रहा है. ओरी और सारा अली खान कॉलेज बेस्ट फ्रेंड भी रह चुके हैं. लेकिन इन दिनों उनके और सारा अली खान के बीच खटपट देखने को मिल रही है. दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि सारा अली खान और उनके भाई इब्राहिम अली खान ने ओरी को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो भी कर दिया था.

सारा अली खान और इब्राहिम अली खान के इंस्टा अनऑलो करने के बाद ओरी ने हाल ही में सारा अली खान के करियर पर एक कमेंट किया, जिसकी वजह से उन्हें काफी क्रिटिसाइज भी किया गया था. इसी कॉन्ट्रोवर्सी के बीच सारा अली खान का पहला रिएक्शन सामने आया है, जो काफी वायरल हो रहा है.इन दिनों ओरी संग चल रही इस कॉन्ट्रोवर्सी के बीच सारा अली खान ने अपना पहला सोशल मीडिया पोस्ट शेयर किया है. हालांकि, एक्ट्रेस ने सीधे इस विवाद पर बात नहीं की, लेकिन एक गाने के जरिए उन्होंने अपना जवाब दे दिया है. सारा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक दोस्त को बर्थडे विश किया और कुछ तस्वीरों का एक कोलाज शेयर किया. इस इंस्टाग्राम स्टोरी पर सारा ने फेमस सिंगर विक्रम सरकार का गाना नाम चले लगाया, जिसके लिरिक्स आजादी से जीने और बेवजह के विवादों से दूर रहने के बारे में हैं. हालांकि, सारा ने ओरी या उनके कमेंट पर सीधे कुछ नहीं कहा, लेकिन एक्ट्रेस ने इस गाने की जिन लाइनों को स्टोरी पर लगाया, उसे देखकर ऐसा लग रहा है कि सारा ने इस कॉन्ट्रोवर्सी को लेकर ही इस गाने को चुना है.

सारा अली खान ने अपनी स्टोरी पर नाम चले गाने के जो लिरिक्स लगाए वो कुछ इस तरह थे - खुल्ले से खाते ना पड़ते हिसाबा में, मस्ती में रहते हम रहते ना यादां में. एक लाइफ मिली बेबी जी रहे स्वादा में, टेलैंटेड बालक न पड़ते विवादां में. इस गाने के लिरिक्स को देखकर लग रहा है कि सारा अली खान किसी भी विवाद में पड़ना नहीं चाहती हैं.

कुछ दिन पहले ओरी ने एक रील पोस्ट की थी जिसमें उन्होंने सारा,卐अमृता, और पालक का नाम लिया था, जिसे लोगों ने सारा अली खान, उनकी मां अमृता सिंह और एक्ट्रेस पलक तिवारी के बारे में समझा. वायरल होने के बाद ओरी ने उस रील को डिलीट कर दिया था. हालांकि, सारा अली खान ने अभी तक इस कॉन्ट्रोवर्सी पर पब्लिकली कोई जवाब नहीं दिया है।

सिर्फ अभिनेता नहीं, कंटेंट क्रिएटर भी हैं श्रेयस तलपड़े

बॉलीवुड और मराठी सिनेमा में अपनी मजबूत पहचान बना चुके श्रेयस तलपड़े उन कलाकारों में शामिल हैं, जिन्होंने समय के साथ खुद को ढालते हुए लगातार नए प्रयोग किए। बेहतरीन अभिनय, सटीक कॉमिक टाइमिंग और कंटेंट को लेकर अलग सोच रखने वाले श्रेयस ने एक्टिंग से लेकर ओटीटी तक का सफर तय कर अपनी अलग राह बनाई है। 27 जनवरी 1976 को मुंबई में जन्मे श्रेयस तलपड़े मराठी परिवार से ताल्लुक रखते हैं। अभिनय की ओर उनका झुकाव बचपन से ही था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत मराठी थिएटर और टीवी शोज से की।

साल 1998 में टीवी सीरियल 'वो' में लीड रोल निभाकर उन्होंने घर-घर पहचान बनाई। इसके बाद मराठी टीवी और फिल्मों में उनके काम को सराहा जाने लगा, जिससे उन्हें हिंदी सिनेमा में भी मौके मिलने लगे। श्रेयस को बॉलीवुड में असली पहचान साल 2005 में आई फिल्म 'इकबाल' से मिली। इस फिल्म में उन्होंने एक गूंगे-बहरे क्रिकेटर का किरदार निभाया, जो भारतीय टीम में खेलने का सपना देखता है। श्रेयस की संवेदनशील और दमदार परफॉर्मेंस ने दर्शकों और समीक्षकों दोनों का दिल जीत लिया। 'इकबाल' को आज भी उनके करियर की सबसे बेहतरीन फिल्मों में गिना जाता है। इसके बाद उन्होंने 'ओम शांति ओम', 'गोलमाल' सीरीज, 'हाउसफुल 2', 'पेइंग गेस्ट' और 'वेलकम टू सज्जनपुर' जैसी फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए॥ जहां एक तरफ श्रेयस ने कॉमेडी में अपनी पकड़ मजबूत की, वहीं दूसरी तरफ उन्होंने गंभीर और भावनात्मक रोल भी बखूबी निभाए। यही वजह है कि उन्हें एक वर्सेटाइल अभिनेता के तौर पर जाना जाता है। निजी जिंदगी की बात करें तो श्रेयस ने साल 2004 में दीप्ति तलपड़े से शादी की। साल 2018 में दोनों ने सरोगेसी के जरिए बेटी आदिरा का स्वागत किया। श्रेयस अक्सर अपने इंटरव्यू में परिवार को अपनी सबसे बड़ी ताकत बताते हैं। एक दिलचस्प किस्सा फिल्म 'इकबाल' से जुड़ा है, जब शूटिंग से ठीक पहले श्रेयस ने शादी के लिए छुट्टी मांगी थी। निर्देशक नागेश कुकनूर को डर था कि शादी की खबर फिल्म के प्रमोशन पर असर डालेगी, लेकिन बाद में उन्होंने श्रेयस को समझने के बाद छुट्टी दे दी। समय के साथ बदलते मनोरंजन के स्वरूप को समझते हुए श्रेयस ने डिजिटल दुनिया में भी कदम रखा। साल 2021 में उन्होंने अपना ओटीटी प्लेटफॉर्म 'नाइन रसा' लॉन्च किया।

मॉडलिंग के लिए छोड़ी पढ़ाई, एक्टिंग के लिए घर से बगावत फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं पंजाब की कैटरीना की कहानी

हर बड़े सपने की कीमत होती है और उसे पूरा करने के लिए कई मुश्किलों से गुजरना पड़ता है। सिनेमा की दुनिया में नाम कमाने के लिए पंजाब की कैटरीना को भी कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। जी हां, हम बात कर रहे हैं शहनाज गिल की, जो आज किसी पहचान की मोहताज नहीं रहीं। शहनाज ने पढ़ाई छोड़कर मॉडलिंग की राह चुनी, परिवार की मर्जी के खिलाफ जाकर एक्टिंग के लिए घर से भागीं। शुरुआती दिनों में घरवालों से नाता टूटा, अकेलेपन से जूझना पड़ा, लेकिन हिम्मत और लगन ने उन्हें सफलता भी दिलाई। संघर्ष, परिवार से बगावत और मेहनत से मिली सफलता की कहानी शहनाज गिल की है। पंजाबी सिनेमा और बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाने वाली शहनाज गिल का जन्मदिन आज 27 जनवरी को है। उनकी जिंदगी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। मॉडलिंग के चक्कर में पढ़ाई छोड़ना, पिता से अनबन, घर से भागकर एक्ट्रेस बनने की ठानना और फिर बिग बॉस 13 से मिली शोहरत ने उन्हें पंजाब की कैटरीना का खिताब दिलाया। शहनाज गिल का जन्म पंजाब के जालंधर में हुआ। डलहौजी के डलहौजी हिलटॉप स्कूल में पढ़ाई के दौरान उन्हें मॉडलिंग का शौक हो गया। स्कूल के दिनों में ही उन्होंने छोटे-मोटे मॉडलिंग प्रोजेक्ट्स शुरू कर दिए। स्कूलिंग पूरी होते ही उन्होंने लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में बी.कॉम में दाखिला लिया, लेकिन मॉडलिंग की जिद में पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी। इस फैसले से उनका परिवार उनसे नाराज भी रहा। मॉडलिंग से दूर रखने के लिए शादी की बात करने लगे, लेकिन शहनाज ने मना कर दिया। काम मिलता रहा, लेकिन पिता से अनबन बढ़ती गई। आखिरकार शहनाज ने घर छोड़ दिया और मॉडलिंग, एक्टिंग के लिए मुंबई की राह पकड़ ली। उन्होंने कसम खाई कि फेमस होने के बाद ही घर लौटेंगी। साल 2015 में एक ब्यूटी कॉन्टेस्ट से उनके करियर की शुरुआत हुई। इसके बाद उन्हें एक म्यूजिक वीडियो में काम मिला। फिर माझे दी जट्टी, पिंड दियां कुड़ियां जैसे कई गाने आए। असली पहचान उन्हें गैरी संधू के येह बेबी रेफिक्स से मिली। पंजाबी फिल्मों में भी उन्होंने सत श्री अकाल, काला-शा-काला में काम किया। हिमांशी खुराना के साथ विवादों के बाद वह बिग बॉस 13 में पहुंची, जहां शहनाज ने खुद को पंजाब की कैटरीना कैफ कहकर सबका ध्यान खींचा।

इस हफ्ते में थिएटर में हिंदी की 2 तो साउथ की 9 फिल्मों का बजेगा डंका

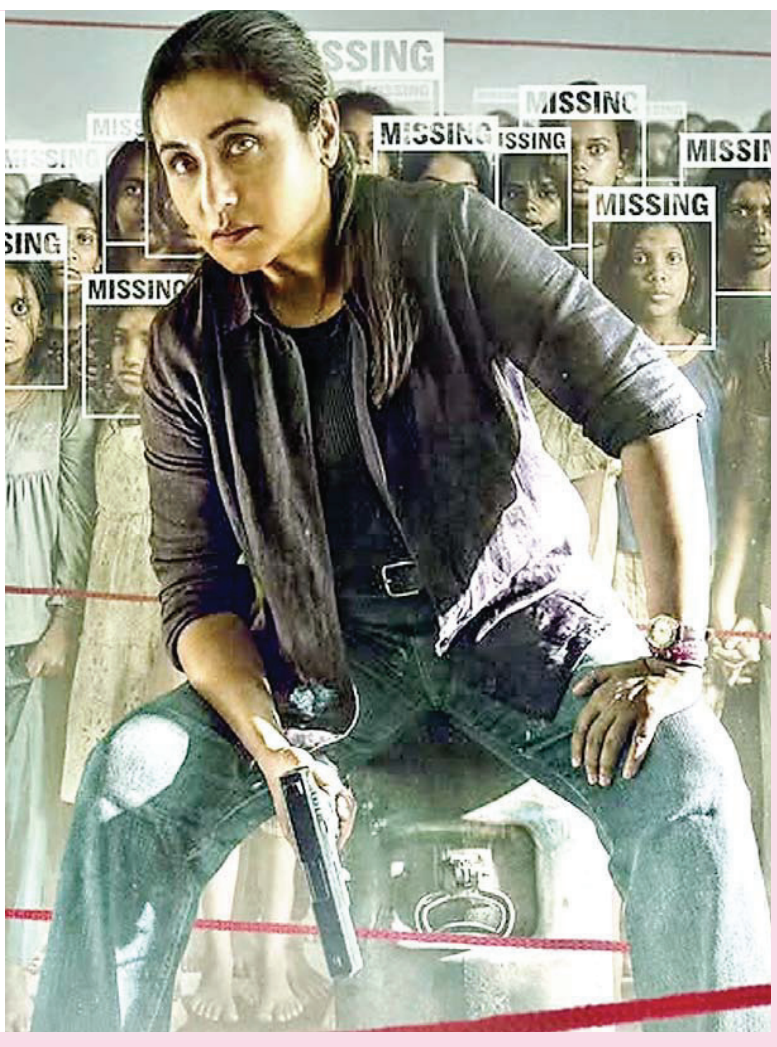

जनवरी का महीना खत्म होने वाला है और इसका आखिरी हफ्ता भी सिनेमालवर्स के लिए काफी एंटरटेनिंग रहने वाला है. दरअसल जनवरी के आखिरी वीक में थिएटर्स में हिंदी से लेकर साउथ तक की कई फिल्में धमाल मचाने आ रही हैं. इनमें रानी मुखर्जी की मर्दानी 3 भी शामिल हैं.

मर्दानी 3

एक्शन क्राइम थ्रिलर फ्रैंचाइज़ी 2014 की मर्दानी और 2019 में, मर्दानी 2 के बाद रानी मुखर्जी एक बार फिर मर्दानी 3 से धमाल मचाने आ रही हैं. इस बार फिर वे ष्टष्टक शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में एक नए केस की जांच करती हुई नजर आएंगीं. 93 लड़कियों के लापता होने के बाद, ऑफिसर को एक भिखारी माफिया सिंडिकेट से निपटते हुए कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है. मर्दानी 3 को आयुष गुप्ता ने लिखा है और आदित्य चोपड़ा ने यश राज फिल्म्स के बैनर तले इसे प्रोड्यूस किया है. इस फिल्म में रानी मुखर्जी, जानकी बोडीवाला, मल्लिका प्रसाद, जिस्सू सेनगुप्ता, मिखाइल यावलकर, इंद्रनील भट्टाचार्य ने अहम रोल प्ले किया है और इसे अभिराज मिनावाला ने निर्देशित किया है. ये फिल्म 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

मायासभा - द हॉल ऑफ़ इल्यूजन

तुम्बाड के बाद, निर्देशक राही अनिल बर्वे की साइकोलॉजिकल थ्रिलर मायासभा ङ्क द हॉल ऑफ़ इल्यूजन रिलीज होने वाली है. यह फ़िल्म परमेश्वर खन्ना के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक बदनाम और अकेला प्रोड्यूसर है और अपने बेटे के साथ एक टूटे-फूटे थिएटर में रहता है. इस थिएटर में छिपे हुए खजाने को लेकर चूहे-बिल्ली का खेल शुरू होता है. फिल्म में जावेद जाफ़री, वीना जामकर, दीपक दामले, मोहम्मद समद ने अहम रोल प्ले किया है. ये सिनेमाघरों में 30 जनवरी, 2026 को रिलीज होगी.

लॉकडाउन

लॉकडाउन एक अनीता नाम की युवा महिला की कहानी है, जिसे घर लौटने में बहुत डर लगता है. जब अचानक देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा होती है, तो वह अपने घर में बंद हो जाती है, जहां हर दिन एक अनवॉन्टेड परछाई उसे परेशान करती है. उसकी बातें, व्यवहार और बार-बार होने वाले गुस्से के कारण उसके माता-पिता को चिंता होने लगती है. फिल्म में अनुपमा परमेश्वरन, चार्ली, निरोशा, लिविंगस्टन, इंदुमती, राजकुमार, शामजी, लोलू सभा मारन, विनायक राज, विधु और अभिरामी ने अहम रोल प्ले किया है. इस तमिल ड्रामा का निर्देशन एआर जीवा ने किया है. ये फिल्म 30 जनवरी, 2026 को रिलीज होगी.

त्रिमुखा

त्रिमुखा की कहानी ष्टढ्ढष्ठ ऑफिसर शिवानी राठौड़ के इर्द-गिर्द घूमती है, जो भयानक अपराधों से जुड़े एक सीरियल अपराधी की तलाश में है. इस बीच, डॉ. योगी, एक रिसर्चर, अपने गिरोह के साथ एक अजीब पैरानॉर्मल घटना की जांच करता है. हालांकि, जब उन्हें पता चलता है कि उनके मामलों के बीच एक अनएक्सपेक्टेड लिंक है, तो दोनों की ज़िंदगी में एक मोड़ आता है. वे सच का पता कैसे लगाते हैं, यही फिल्म की कहानी है. राजेश नायडू निर्देशित इस तेलुगु सस्पेंस क्राइम थ्रिलर में सनी लियोनी योगेश कल्ले, आकृति अग्रवाल, शकालका शंकर, मोट्टई राजेंद्रन और आशु रेड्डी है. ये फिल्म 30 जनवरी, 2026 को रिलीज होगी.

मेलिसई

मेलिसई एक फैमिली ड्रामा फिल्म है जो एक ऐसे सिंपल आदमी की कहानी है जिसे गाने का बहुत शौक है. अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ रहते हुए, वह संगीत इंडस्ट्री में एक बड़ा नाम बनने का सपना देखता है, यहां तक कि एक सूदखोर से पैसे भी उधार लेता है.हालांकि, जब उसके सपनों में कई रुकावटें आती हैं, तो उसे अपने परिवार की भलाई और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है. धीरव जी के निर्देशन में बनी इस तमिलफिल्म में किशोर कुमार जी, सुबत्रा रॉबर्ट, जॉर्ज मैरियन, हरीश उथमन, धीरव जी और धनन्या वर्शिनी ने अहम रोल प्ले किया है. ये फिल्म 30 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में आएगी.

वलावर

वलावर एक कमिंग-ऑफ-एज ड्रामा है जिसकी कहानी कर्नाटक के सकलेशपुर के खूबसूरत नज़ारों में सेट है. कहानी पारिवारिक रिश्तों, भाई-बहनों की प्रतिद्वंद्विता और ज़िम्मेदारी के इर्द-गिर्द घूमती है।

वैकल्पिक भंडारण से बढ़ेगी गोदाम संचालकों की आय : गोविंद सिंह राजपूत

खाद्य मंत्री बोले, कार्यशाला औपचारिक नहीं, परिणाममूलक होना चाहिए

• साधना एक्सप्रेस, भोपाल

भोपाल ।* वर्तमान परिस्थितियों में अनेक वेयरहाउस अपनी पूर्ण क्षमता का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं, जिससे गोदाम संचालकों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। अब वेयरहाउस का उपयोग केवल अनाज भंडारण तक सीमित न रहकर, उन्हें बहुआयामी व्यावसायिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। वैकल्पिक भंडारण से गोदाम संचालकों की आय बढ़ेगी। कार्यशाला औपचारिक नहीं, परिणाममूलक होना चाहिए। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने प्रदेश में वेयरहाउस की उपलब्ध क्षमता का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने एवं गोदाम संचालकों को आय के वैकल्पिक स्रोत उपलब्ध कराने के उद्देश्य से "वेयर हाउस की आय वृद्धि के अन्य व्यावसायिक उपयोग" विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में कही।

मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि आज के प्रतिस्पर्धी व्यावसायिक वातावरण में सप्लाई-चेन मैनेजमेंट और ऑपरेशन मैनेजमेंट की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। इस बात को ध्यान में रखते हुए शासन द्वारा यह कार्यशाला आयोजित की गई है, जिससे निजी निवेश से बने गोदामों में सरकारी अनाज भंडारण के साथ-साथ अन्य वैकल्पिक माध्यमों से भी आय अर्जन के अवसर विकसित किए जा सकें।

मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि शासन की नीतियों, नियमों एवं उपलब्ध योजनाओं की स्पष्ट जानकारी देकर गोदाम संचालकों को नीतिगत समर्थन प्रदान किया जा रहा है, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ निवेश एवं व्यावसायिक निर्णय ले सकें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश की भंडारण एवं लॉजिस्टिक्स व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में निजी गोदाम संचालकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस कार्यशाला से प्राप्त सुझाव और नवाचार प्रदेश के वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को नई दिशा देंगे और प्रदेश की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्यशाला अन्य स्थानों पर भी आयोजित की जायेंगी।

मप्र में खुले में अनाज नहीं रखा जाता है : श्रीमती रश्मि अरुण शमी

अपर मुख्य सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने कार्यशाला के उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देश में मध्यप्रदेश एक ऐसा राज्य है, जहाँ पर खुले में अनाज नहीं रखा जाता। प्रदेश में भण्डारण की क्षमता अधिक होने से वेयर हाउस संचालकों को कई बार आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कार्यशाला में विशेषज्ञ इसी विषय पर जरूरी मार्गदर्शन देंगे।

कार्यशाला में आईआईएम मुम्बई के प्रो. वीपन कुमार और सुश्री सुमिता नारायण ने 'ट्रांसफार्मिंग पब्लिक गोडाउन्स टू प्रायवेट वेयर हाउसेस - केस ऑफ अदर स्टेटस्' पर विचार व्यक्त किये। स्केलर स्पेस ऑफ मुसद्दीलाल ग्रुप के डायरेक्टर डॉ. गोपाल मोर ने 'ओवरव्यू ऑफ प्रायवेट वेयरहाउसिंग मार्केट एण्ड अप्रोच टू सेटिंग अप प्रायवेट कामर्शियल वेयरहाउसेस इन द कंट्री' पर चर्चा की। सीबीआरसी दिल्ली के सीनियर डायरेक्टर नितिन चंद्रा ने 'प्रायवेट वेयरहाउसिंग मार्केट - प्रिवेलिंग कॉमर्शियल स्ट्रक्चर्स एण्ड अल्टरनेटिव एवेन्यूज फॉर वेयरहाउस ओनर्स एण्ड बेनेफिटस्' विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। एमपीआईडीसी के कन्सल्टेंट सुदीप शौर्य ने इन्सेन्टिव्स अवेलेबल अंडर एमपी लॉजिस्टिक्स पॉलिसी' पर और डिलाइट के अनुराग गुप्ता ने 'वेयरहाउस मॉर्डनाइजेशन एण्ड ट्रांसफार्मिंग वेयरहाउसेस टू स्टेट ऑफ द ऑर्ट फेसीलिटीज' पर चर्चा की। विशेषज्ञों द्वारा गोदामों में लॉजिस्टिक्स सेवाएँ, मल्टी-कमोडिटी स्टोरेज, ई-कॉमर्स सपोर्ट, पैकेजिंग, ग्रेडिंग, कोल्ड-चेन, मूल्य संवर्धन, वेयरहाउस ऑटोमेशन एवं डिजिटलीकरण जैसी आधुनिक तकनीकों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही कृषि आधारित वेयरहाउस को कमर्शियल वेयरहाउस में परिवर्तित करने की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई।

एमडी मध्यप्रदेश वेयरहाउसिंग कार्पोरेशन अनुराग वर्मा ने कहा कि कार्यशाला में आये महत्वपूर्ण सुझावों पर विचार कर इन्हें अमल में लाया जायेगा। इस दौरान आयुक्त खाद्य कर्मवीर शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं वेयरहाउस संचालक उपस्थित थे।

रेल मंत्रालय से साहित्यकार इंजी. आशा शर्मा को प्रेरणा पुरस्कार, साहित्य जगत में हर्ष

• साधना एक्सप्रेस, भोपाल

भोपाल।* देश की प्रतिष्ठित साहित्यकार एवं राजस्थान सरकार के विद्युत विभाग में सहायक अभियंता के पद पर कार्यरत इंजी. आशा शर्मा के लिए यह अत्यंत गौरवपूर्ण क्षण है। रेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उन्हें रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार योजना–2024 के अंतर्गत उनके प्रेरणादायी लेख "ईमानदारी का सबक" के लिए प्रेरणा पुरस्कार से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई है।

यह सम्मान न केवल उनके सृजनात्मक लेखन की उत्कृष्टता को मान्यता देता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि संवेदनशील सोच और ईमानदार अनुभव जब शब्दों का रूप लेते हैं, तो वे समाज को दिशा देने का कार्य करते हैं। पुरस्कार स्वरूप इंजी. आशा शर्मा को 4,000 की पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा।

इस उपलब्धि से उनके परिवारजनों, मित्रों एवं सहकर्मियों में उत्साह और गर्व का वातावरण है। सभी ने उनके साहित्यिक योगदान को सराहते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी हैं।

पुरस्कार की घोषणा पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इंजी. आशा शर्मा ने कहा, वर्ष 2026 की शुरुआत में भारत सरकार की ओर से मिला यह सम्मान आत्मविश्वास को नई ऊँचाइयाँ देता है और लेखन के प्रति और अधिक समर्पण की प्रेरणा देता है। यह उपलब्धि निश्चय ही उन सभी रचनाकारों के लिए प्रेरणा है, जो अपने अनुभवों के माध्यम से समाज को सकारात्मक संदेश देना चाहते हैं।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने मीसाबंदी सुभाष श्रीवास्तव को किया सम्मानित

(गणतंत्र दिवस के अवसर पर परेड ग्राउंड में आयोजित मुख्य समारोह में किया गया सम्मान)

• साधना एक्सप्रेस, रीवा

रीवा*- 28 जनवरी ! गणतंत्र दिवस के राष्ट्रीय पर्व पर परेड ग्राउंड में आयोजित मुख्य समारोह में वरिष्ठ समाजसेवी एवं आपातकाल के दौर में लोकतंत्र की हिफाजत में मीसा कानून के तहत 18 माह 6 दिन जेल में निरुद्ध रहने वाले बेमाफी के मीसाबंदी सुभाष श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया! मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री आदरणीय प्रहलाद सिंह पटेल द्वारा उन्हें शॉल, श्रीफल भेंट कर एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया! इस अवसर पर रीवा कलेक्टर डॉ प्रतिभा पाल, पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन गौरव राजपूत, पुलिस उप महानिरीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान, ए. डी. एम. रीवा सपना त्रिपाठी एवं नायब तहसीलदार यतीश शुक्ला भी उपस्थित रहे!

सम्मानित होने वाले मीसाबंदी सुभाष श्रीवास्तव ने कहा कि- 'मैने अपने जीवन के 69 वर्षो में 52 वर्ष समूचे समाज के लिए इसलिए समर्पित नही किया कि कभी मुझे सम्मान मिले, बल्कि इसलिए कि समाज की सेवा करना मैने अपना फर्ज समझा! मीसा में बंद हुए तो इसलिए नहीं की भविष्य में पेंशन मिले बल्कि इसलिए क्योंकि मुझे लगा कि आपातकाल के उस भयावह दौर में लोकतंत्र खतरे में है, तो मुझे भी लोकतंत्र बचाने के महायज्ञ में अपनी आहुति देनी है!

आपातकाल की तानाशाही के परिणामस्वरूप जब प्रेस में सेंसरशिप लगा दी गयी, अतिक्रमण के नाम पर गरीबों की झुग्गी झोंपड़ियाँ नष्ट की गयी, जब लोगों को जेल का डर दिखा कर खौफ़ पैदा करने का कार्य किया जाने लगा तब मेरे मन में भी आक्रोश के बीज प्रस्फुटित हुए और मैने इंकलाबी तेवर दिखा कर अपनी गिरफ्तारी दी! और जेल के अंदर ना तो कभी माफी मांगी और ना ही कभी पैरोल पर छूटे! मध्यप्रदेश शासन द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर जो ये सम्मान प्रदान किया गया इसके लिए मै शासन व प्रशासन का आभार व्यक्त करता हूँ! जिन्होंने आपातकाल के 50 वर्ष बाद भी लोकतंत्र की हिफाजत में दिए गए हमारे योगदान का मूल्यांकन किया!

विदित हो कि सुभाष श्रीवास्तव को मीसाबंदी के रूप में पूर्व में भी कई बार सम्मान प्रदान किया गया है! 25 जून 2005 को तात्कालीन मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर द्वारा, 15 अगस्त 2008 को स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय पर्व पर आयोजित मुख्य समारोह में तात्कालीन प्रभारी मंत्री चौधरी चंद्रभान सिंह द्वारा एवं 25 जून 2019 को मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी ताम्रपत्र प्रदान करके अपर कलेक्टर इला तिवारी द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है!

गणतंत्र दिवस के राष्ट्रीय पर्व पर मीसाबंदी सुभाष श्रीवास्तव को यह सम्मान प्रदान किए जाने पर जिन लोगों ने शुभकामनाएं देते हुए हर्ष व्यक्त किया है उनमें प्रमुख रूप से मीसाबंदी रामायण पटेल, बद्री तिवारी लोकगीत गायिका मणिमाला सिंह, निवर्तमान पार्षद शिवदत्त पांडेय, कॉ.लालमणि त्रिपाठी, समाजसेवी शेषमणि शुक्ला, अधिवक्ता विनोद भट्ट, सरगम रीति पांडेय, कहानीकार विवेक द्विवेदी, महिला नेत्री विमलेश मिश्रा, वशिष्ठ मुनि शर्मा, प्रदीप अग्रवाल, रमाकांत पुरवार, धर्मेंद्र मिश्रा, सुजीत द्विवेदी, आर.के. साहू, शायर रफीक रिवानी, कवि रामसुन्दर द्विवेदी, रामलखन केवट जलेश, डॉ राजेन्द्र गुप्ता बैकुंठपुरी, समाजसेवी सुरेश विश्नोई, मोहम्मद फारूक खान, समाजवादी नेता नत्थू लाल सेन, सुबोध पांडेय, सचिन तिवारी, वर्धमान निगम, शोभनाथ गुप्ता, अमित सिंह, आर. के. त्रिपाठी, अभिनव सिंह बघेल, सुरेंद्र सोंधिया, अरविंद पटेल, रवि शंकर चतुर्वेदी, सचिन तिवारी बॉबी, राजू बर्गीस, अनिल निगम, सरोज सोनी, अनीता निगम, साक्षी विवेक अम्बेडकर, शालिनी आशीष निगम, देव कुमार पांडेय, सुभाष कुशवाहा, संजय शुक्ला, अमर मिश्रा, जयकृष्ण मालवीय, अनिल सागर, तेज प्रताप सिंह सेंगर, अर्जुन सिंह, योगेश वर्मा, अरविंद पटेल, अजीत सिंह, कविता सिंह, रामानुज तिवारी, साकेत श्रीवास्तव, राजराखन पटेल, ज्योत्सना श्रीवास्तव, हिमांशी श्रीवास्तव, शुभम शर्मा एवं सिद्धार्थ श्रीवास्तव आदि शामिल है!

गणतंत्र दिवस पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गाडरवारा ने विभिन्न स्थानों पर किया ध्वजारोहण

जीतू पटवारी का संदेश पढ़ा गया, बड़ी संख्या में कांग्रेसजन रहे उपस्थित

• साधना एक्सप्रेस, गाडरवारा

गाडरवारा। (रिपोटर राजेश नीरस) 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गाडरवारा द्वारा शहर के प्रमुख स्थानों पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी जी के संदेश का वाचन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गाडरवारा के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री सतीश सैनी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ कांग्रेसजन, जनप्रतिनिधि, महिला कांग्रेस, युवक कांग्रेस, एनएसयूआई, अनुसूचित जाति कांग्रेस, सेवादल, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ, सोशल मीडिया कांग्रेस सहित समस्त बिंगों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और राष्ट्र के प्रति अपनी निष्ठा प्रकट की।

ध्वजारोहण कार्यक्रम का समय एवं स्थान - हृदय स्थल झंडा चौक – सुबह 8:15 बजे

बजरिया – 8:25 बजे, मस्जिद के पास – 8:35 बजे, पुरानी गल्ला मंडी – 8:45 बजे, शक्ति चौक – 9:00 बजे

सभी स्थानों पर ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी गई एवं देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का संकल्प लिया गया।

श्री चिरहुलानाथ स्वामी में धूमधाम से मनाया गया राधिका तिवारी का प्रथम जन्मदिन

• साधना एक्सप्रेस, रीवा

रीवा*। एक वर्षीय नन्ही बालिका राधिका तिवारी का प्रथम जन्मदिन श्री चिरहुलानाथ स्वामी मंदिर परिसर में श्रद्धा, आस्था और हर्षोल्लास के साथ बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। यह अवसर पूरे तिवारी परिवार के लिए अत्यंत भावुक और यादगार रहा। आयोजन में परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर इस पावन क्षण को उत्सव के रूप में मनाया।

कार्यक्रम की शुरुआत श्री चिरहुलानाथ स्वामी के विधिवत पूजन-अर्चन एवं आरती से हुई। धार्मिक अनुष्ठान के पश्चात केक काटा गया और नन्ही राधिका के दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। मंदिर परिसर को फूल-मालाओं, रंगीन गुब्बारों और आकर्षक सजावट से सजाया गया था, जिससे वातावरण भक्तिमय के साथ-साथ उल्लासपूर्ण बन गया।

राधिका तिवारी के पिताजी राजीव तिवारी एवं माताजी नेहा तिवारी हैं, जिन्होंने बेटी के पहले जन्मदिन को धार्मिक एवं पारिवारिक स्वरूप में मनाने का निर्णय लिया। इस अवसर पर दादा–दादी दमदी लाल तिवारी एवं गीता तिवारी, बड़े बब्बा रविराज तिवारी, बड़े पापा बृजभान तिवारी सहित परिवार के सभी सदस्य मौजूद रहे।

कार्यक्रम में राधिका के चाचा रिंकू की भूमिका विशेष रूप से भावुक रही। राधिका अपने चाचा रिंकू की अत्यंत प्रिय भतीजी है, और चाचा ने पूरे आयोजन में स्नेह और अपनत्व के साथ सभी व्यवस्थाओं में सक्रिय सहयोग किया। चाचा–भतीजी के इस आत्मीय रिश्ते की चर्चा आयोजन में उपस्थित लोगों के बीच खास आकर्षण का विषय बनी रही।

जन्मदिन समारोह के दौरान बच्चों और परिजनों में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों को प्रसाद एवं मिष्ठान वितरण किया गया। उपस्थित अतिथियों और परिजनों ने नन्ही राधिका को आशीर्वाद देते हुए उसके सुखद, स्वस्थ और सफल जीवन की कामना की।

समारोह शांतिपूर्ण, व्यवस्थित और पारिवारिक सौहार्द के वातावरण में संपन्न हुआ, जो लंबे समय तक यादगार बना रहेगा।

नर्मदा जयंती पर दिया बेटी शिक्षा व सम्मान का संदेश] बेटियाँ माँ रेवा का जीवंत स्वरूप - मुकेश बसेड़िया

• साधना एक्सप्रेस, गाडरवारा

गाडरवारा* ! (राजेश नीरस) प्रतिवर्ष अनुसार पावन झिकोली घाट पर माँ नर्मदा जयंती के अवसर पर नगर के वरिष्ठ समाजसेवी व परशुराम सेना के जिला अध्यक्ष पँ मुकेश बसेड़िया ने बड़ी संख्या में देवी स्वरूप कन्याओं के पद पखारकर उन्हें नवीन वस्त्र, श्रृंगार, पठन लेखन,शिक्षण सामग्री, आकर्षक स्कूल बैग आदि भेंट कर स्कूल जाने के लिए प्रेरित किया

दिन भर बेटी का पूजन व सम्मान अनवरत चलता रहा है , पंडाल में जगह जगह बेटी शिक्षा व सम्मान के बैनर फ्लेक्स लगाए गए साथ ही वृद्ध व ब्राह्मण जनो को वस्त्र व धार्मिक पुस्तकें प्रदान कर आशीर्वाद लिया

मां नर्मदा जी की तीनों काल की महाआरती के साथ भगवान श्री सत्यनारायण कथा उपरांत गौ माता को गौ ग्रास अर्पण कर पूजन किया

उक्ताशय की जानकारी प्रदान करते हुए श्री बसेड़िया ने बताया कि मैया विजयासन की असीम कृपा व श्री दादाजी के संरक्षण में विगत 13 वर्षों से माई रेवा का भण्डारा प्रातः 9 बजे से अनवरत शाम 7 बजे तक भक्तों को खीर खिचड़ी,चाय प्रसादी का वितरण किया जाता है

उपरोक्त अवसर पर बेटियों के साथ मनोज शर्मा, प्रशान्त राजपूत, कृष्णकांत राजपूत, चंदन कुशवाहा, सोनू कुशवाहा, आदि का सराहनीय योगदान रहा

गाडरवारा में नपा अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, नगर में हर्षोल्लास से मनाया गया गणतंत्र दिवस

• साधना एक्सप्रेस, गाडरवारा

गाडरवारा*। (राजेश नीरस) सोमवार को सम्पूर्ण क्षेत्र सहित नगर में गणतंत्र दिवस समारोह देशभक्ति पूर्ण वातावरण में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। नगर मे मुख्य समारोह पुराना कॉलेज के रूद्र मैदान पर आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि मंत्री श्री मिश्रा ने एसडीएम श्रीमती कलावती ब्यारे और एसडीओपी ललित डागुर के साथ परेड का निरीक्षण किया और परेड की सलामी भी ली। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने मार्च पास्ट की प्रस्तुति दी।इसके पश्चात श्री मिश्रा ने मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया। कार्यक्रम में स्कूली छात्र- छात्राओं ने व्यायाम एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुति दी। इनमे प्रमुख रूप से पहलगाम हमले, शहीद स्व आशीष शर्मा, माँ नर्मदा, भगवान शिव एवं हनुमान जी से जुडी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के अंतिम चरण मे श्री मिश्रा ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शासकीय अधिकारी- कर्मचारियों को पुरस्कृत किया। गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में मार्च पास्ट के लिए माध्यमिक वर्ग मे शा आदर्श उ मा विद्यालय गाडरवारा को प्रथम, उच्च माध्यमिक वर्ग मे कन्या नवीन को प्रथम, बीटीआई स्कूल को द्वितीय, क्रेयान स्कूल को तृतीय स्थान, व्यायाम के प्राथमिक वर्ग मे क्रेयान को प्रथम, दक्ष स्कूल को द्वितीय, शिवाजी स्कूल को तृतीय, माध्यमिक वर्ग मे किसानी स्कूल को प्रथम, क्राइस चर्च स्कूल को द्वितीय, क्रेयान स्कूल को तृतीय, उच्च माध्यमिक वर्ग मे कन्या शाला गाडरवारा को प्रथम एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्राथमिक वर्ग में डायमंड स्कूल एवं न्यू एज को प्रथम, वन स्टेप स्कूल द्वितीय व शिवाजी स्कूल को तृतीय, माध्यमिक वर्ग मे दक्ष स्कूल को प्रथम, कन्या नवीन को द्वितीय, सन साइन स्कूल को तृतीय, उच्च माध्यमिक वर्ग मे शासकीय आदर्श स्कूल को प्रथम,क्राइस चर्च को द्वितीय और कन्या नवीन गाडरवारा को तृतीय एवं बीटीआई स्कूल को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक, अन्य अधिकारी- कर्मचारी, मीडिया प्रतिनिधि और बड़ी संख्या मे छात्र छात्राएं मौजूद थे। इस कार्यक्रम का संचालन अर्पणा ब्राउन एवं सीमा अवस्थी ने किया।

बी.एस.एल. पब्लिक स्कूल करेली में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

• साधना एक्सप्रेस, गाडरवारा

करेली* ग्रेस लैंड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालित बी.एस. एल. पब्लिक स्कूल करेली में 77वें गणतंत्र दिवस का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती अनीता नेमा, उपाध्यक्ष नगर पालिका करेली रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती प्रिया बाबू भसीन एवं पार्षद निरंजन वार्ड करेली, नीरज जी लूनावत एवं सुरेन्द्र मोहन जी नेमा की उपस्थित रही।

विद्यालय परिसर में ध्वजारोहण मुख्य अतिथि श्रीमती अनीता नेमा द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों को संविधान के मूल्यों को अपनाने एवं देश सेवा के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में विद्यालय निर्देशक श्री चेतन लूनावत, प्राचार्य श्री मिथिलेश राजौरिया, विद्यालय का समस्त स्टाफ, नगर के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ध्वजारोहण उपरांत विद्यार्थियों द्वारा रैली निकाली गई, जो नगर पालिका निरंजन चौक से प्रारंभ होकर कमानिया गेट होते हुए स्टेडियम तक पहुंची। रैली के माध्यम से विद्यार्थियों ने देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

इसके पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन के साथ हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, नृत्य एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम ने उपस्थित जनसमूह में देशप्रेम और उत्साह का संचार किया।

आज के गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में लोकगीत गायन में प्रथम स्थान तथा स्काउट में तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यार्थियों ने सराहनीय प्रदर्शन किया और विद्यालय का नाम रोशन किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित ।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490 मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा ।)| RNI NO. MPHIN/2022/84698